दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 251

ग्वालियर, मंगलवार 31 मई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

1 जून को अयोध्या में रामलला भवन का लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। अयोध्या के रामकोट स्थित श्री राम जन्मभूमि से चंद कदम दूर अयोध्या के पहले दक्षिण भारतीय शैली मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 31 मई को कलश यात्रा के साथ शुरू होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1 जून को समारोह का शुभारंभ करेंगे। अयोध्या का ये पहला मंदिर होगा जहां भगवान श्री राम के कुलदेवता भगवान विष्णु के स्वरूप भगवान रंगनाथन का मंदिर होगा। श्री रामलला देवस्थान के महंत जगतगुरु स्वामी राघवाचार्य महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। अयोध्या में बने दक्षिण भारतीय शैली के इस मंदिर की भव्यता दूर से ही बिखर रही है। महत्वपूर्ण तथ्य ये है कि मंदिर में विराजमान श्री रामलला, माता जानकी व लक्ष्मणकी प्रतिमाएं भी दक्षिण भारत से आई हैं। मंदिर की डिजायनिंग चेन्नई के मशहूर आर्किटेक्ट स्वामीनाथन ने किया है। अयोध्या का ये पहला मंदिर है जो श्री राम जन्मभूमि से चंद कदम की दूरी पर बनकर तैयार हुआ है, जिसमें कदम कदम पर दक्षिण भारतीय परंपरा झलक रही है। रामलला सदन के पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी राघवाचार्य ने कहा कि श्री राम लला सदन अत्यंत प्राचीन स्थान है।

कोरोना की वजह से जिन्होंने अपनों को खोया है, उनका दर्द शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल : मोदी

केंद्र सरकार ने अनाथ हुए बच्चों के लिए शुरू की केयर फॉर चिल्ड्रन योजना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कोरोना महामारी के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए खास योजना शुरू की है। पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत बच्चों की मदद की जाएगी। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित प्रोग्राम के दौरान बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन के पासबुक के साथ आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य स्कीम के तहत वर्चुअल रूप से हेल्थ कार्ड भी दिए।

इस स्कीम को लॉन्च करने के दौरान पीएम मोदी ने कहा, मैं जानता हूं कोरोना की वजह से जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके जीवन में आया ये बदलाव कितना मुश्किल है। हर दिन का संघर्ष, हर दिन की तपस्या। आज जो बच्चे हमारे साथ हैं, जिनके लिए ये कार्यक्रम हो रहा है, उनकी तकलीफ शब्दों में कहना मुश्किल है। पीएम मोदी के मुताबिक अगर किसी को प्रॉफेशनल कोर्स और हायर एजुकेशन के लिए लोन की जरूरत होगी तो तो पीएम-केयर्स की तरफ से उनकी मदद की जाएगी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की दूसरी जरूरतों के लिए और अन्य योजनाओं के माध्यम से उनके लिए 4 हजार रुपये हर महीने की व्यवस्था भी की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों की सहायता के लिए पिछले साल पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन स्कीम का ऐलान किया था। पहले इस स्कीम के तहत लाभ लेने की डेडलाइन 31 दिसंबर, 2021 थी, लेकिन बाद में इस डेडलाइन को 28 फरवरी, 2022 तक बढ़ा दिया गया।

इस मौके पर पीएम मोदी ने यह भी कहा कि देश को 8 साल पहले मुश्किल हालात से निकाला गया। उन्होंने कहा आज जब हमारी सरकार अपने 8 वर्ष पूरे कर रही है, तो देश का आत्मविश्वास, देशवासियों का खुद पर भरोसा अभूतपूर्व है। भ्रष्टाचार, हजारों करोड़ के घोटाले, भाई-भतीजावाद, देशभर में फैल रहे आतंकी संगठन, क्षेत्रीय भेदभाव, जिस कुचक्र में देश 2014 से पहले फंसा हुआ था, उससे बाहर निकल रहा है। पीएम मोदी ने कहा टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ाकर हमारी सरकार ने गरीब को उसके अधिकार सुनिश्चित किए हैं। अब गरीब से गरीब को भरोसा है कि सरकार की योजनाओं का लाभ उसे मिलेगा, निरंतर मिलेगा। इस भरोसे को बढ़ाने के लिए ही हमारी सरकार अब शत प्रतिशत सशक्तिकरण का अभियान चला रही है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में मजबूत और आत्मनिर्भर बना नया भारत, आगे भी जारी रहेगा यह सिलसिला: शाह

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले आठ सालों की अवधि में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश मजबूत और आत्मनिर्भर बना है और यह सिलसिला आगे भी निर्बाध जारी रहेगा। पिछले आठ सालों में मोदी सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए और ऐसी नीतियां बनाई जिसका भारत में न्यायोचित, व्यापक और सतत विकास को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय असर दिखाई दिया। मैं भारत के इस शासन को नए भारत के निर्माण के सफर के तौर पर देखता हूं-एक मजबूत, सक्षम और आत्मनिर्भर भारत। कोविड महामारी जैसी बाधाओं के बावजूद यह अवधि प्रधानमंत्री के नए भारत के निर्माण को लेकर उनके अटल और अडिग लक्ष्य केंद्रित यात्रा के लिए याद की जाएगी। सन 2020 में महामारी ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अपनी चपेट में ले लिया था। दुनिया की अर्थव्यवस्था पर काले बादल मंडरा रहे थे, चारों तरफ भयावह मंजर था और कुछ भी निश्चित नहीं था। उस समय बस सभी के ज़ेहन में एक ही सवाल था, निराशा के बादल कब छंटेगे और उम्मीद का सूरज कब निकलेगा? दुनिया पर एक अकल्पनीय चिकित्सकीय आपातकाल छा गया था जो पूरी दुनिया को लीलने को आतुर था।

उल्कापात से रोशन होगा आकाश, 2 दिनों तक हर घंटे बरसेंगे 1000 उल्कापिंड

वॉशिंगटन। ब्रह्मांड में होने वाली खगोलीय घटनाएं वैज्ञानिकों के साथ आम लोगों की भी जिज्ञासा का विषय होती है खासतौर अंतरिक्ष में रूचि रखने के लिए खुशखबरी है। अगले दो दिन आकाश में सितारों की बारिश होने जा रही है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मुताबिक 30 और 31 मई को उल्कापिंडों की धरती पर बारिश होने जा रही है। नासा ने बताया कि पिछले करीब 20 साल बाद पहली बार उल्कापिंडों की इतनी जोरदार चमक आकाश में देखने को मिल सकती है। नासा ने बताया कि यह उल्कापिंडों की बारिश एक धूमकेतु की वजह से होगी। दरअसल, धूमकेतु बर्फ और धूल से बना ऑब्जेक्ट होता है जिसकी एक पूंछ भी होती है। यह आमतौर पर सूरज के चक्कर लगाता है। जब यह धूमकेतु धरती की कक्षा के बेहद करीब आता है तो हमारी गुरुत्वाकर्षण की शक्ति उसके टुकड़ों को धरती के वातावरण की ओर खींच लेती है। जब ये टुकड़े धरती के वातावरण में आते हैं तो जल उठते हैं और इससे आकाश में तेज चमक दिखाई देती है। यह उल्कापिंड एसडब्ल्यू-3 धूमकेतु से निकलेंगे और धरती की ओर आएंगे। इस धूमकेतु की पहचान एक सदी पहले दो जर्मन खगोलविदों ने की थी। उन्हीं के नाम पर इसका नाम एसडब्ल्यू-3 रखा गया है। यह धूमकेतु 5.4 साल में एकबार सूरज के चक्कर लगाता है लेकिन यह 40 साल के लिए रहस्यमय तरीके से गायब हो गया था। इसे 1935 से 1974 के बीच कम से कम 8 बार देखा गया था। यह मार्च 1979 में फिर दिखाई दिया लेकिन उसके बाद यह 1995 में दिखा। यह उस समय पहले की तुलना में 600 गुना ज्यादा चमकदार नजर आया।

जम्मू-कश्मीर में शांति लाने के लिए अवाम का दिल जीतना होगा : अब्दुल्ला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा है, कि जम्मू-कश्मीर में शांति तब तक हासिल नहीं होगी, जब तक आप लोगों का दिल नहीं जीत लेते। भारत के पड़ोसियों को भी यह सोचना चाहिए कि हमें मिलजुल कर रहना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा कि आप जितने चाहें उतने सैनिक ला सकते हैं। लेकिन आप तब तक शांति नहीं ला सकते जब तक आप लोगों का दिल नहीं जीत लेते। अब्दुल्ला ने कहा कि युद्ध से यह संभव नहीं है। आप जितने चाहें उतने सैनिक ला सकते हैं, लेकिन कश्मीर में तब तक शांति नहीं होगी जब तक हम अपने पड़ोसियों से बात नहीं करते और वे भी शांति से साथ रहने के लिए तैयार नहीं हैं। यूक्रेन का हवाला देकर अब्दुल्ला ने कहा कि आधुनिक युद्ध का मतलब है कि सामूहिक विनाश के हथियार पिछले 72 वर्षों में बनी हर चीज को नष्ट कर सकते हैं। जब हम बात करते हैं, तब उन्हें बुरा लगता है और हम किस बारे में बात कर रहे हैं?

ताजमहल में फिर शुरू हो सकता है नमाज पर विवाद

ताजमहल में कब से हो रही है नमाज? आरटीआई पर एएसआई का चौंकाने वाला जवाब

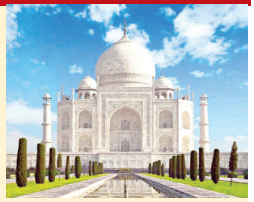

आगरा। आगरा के ताजमहल पर जारी विवाद के बीच एक इतिहासकार ने नमाज को लेकर आरटीआई लगाई थी, जिसका जवाब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) ने दिया है। इस जवाब के बाद एक बार फिर ताजमहल में नमाज पर विवाद शुरू हो सकता है। इस आरटीआई को इतिहासकार राजकिशोर राजे ने दायर किया था। नमाज को लेकर पूछे गए सवाल पर एएसआई ने कोई ब्यौरा मौजूद न होने की बात कही है। इतिहासकार राजकिशोर राजे का कहना है कि शाहजहां कालीन किसी भी ग्रंथ में नमाज का जिक्र नहीं है। शाहजहां के समय मे ताजमहल में आम लोगों के आने पर अनुमति नहीं थी, ऐसे में उस समय ताजमहल में नमाज होने का प्रश्न ही नहीं उठता। इतिहासकार राजकिशोर राजे ने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक स्थल पर धार्मिक गतिविधि नहीं होनी चाहिए। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही ताजमहल में नमाज पढ़ने वाले चार पर्यटकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इनमें तीन हैदराबाद और एक आजमगढ़ का रहने वाला है। इन पर पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज किया था। ताजमहल का दीदार करने पहुंचे चार पर्यटकों ने शाही मस्जिद में शाम को नमाज अदा की। इस पर वहां तैनात सीआईएसएफ के जवानों ने चारों पर्यटकों को हिरासत में लिया था। आरोपी पर्यटकों का कहना था कि वो सभी पढ़ाई करते हैं, उन्हें बिल्कुल भी ऐसी जानकारी नहीं थी कि ताजमहल पर नमाज पढ़ना मना है।

इससे एक दिन पहले ही भगवा पहन कर ताजमहल देखने पहुंचे उरई के संत ने परिसर में हंगामा कर दिया। मौके पर सीआईएसएफ के अधिकारियों को बुला लिया। मामला बढ़ता देख एएसआई के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। संत मत्स्येंद्र गोस्वामी का कहना है कि ताजमहल कैंपस में देवी देवताओं की तस्वीर शौचालय के पास लगाई गई है। संत ने मांग की कि इन तस्वीरों को वहां से हटाया जाना चाहिए, अगर उनकी मांग नहीं पूरी हुई तो वह ताजमहल पर आमरण अनशन करेंगे। मामले को संभालने के लिए एएसआई अधिकारियों ने संत मत्स्येंद्रन गोस्वामी को आश्वासन देकर ताजमहल से रवाना कर दिया।

खास खबर

नेपाल प्लेन क्रैश में एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल में हुए प्लेन क्रैश के कारण 22 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 भारतीय, 2 जर्मन नागरिक और नेपाल के 13 लोग शामिल हैं। इनके अलावा 3 क्रू मेंबर्स ने भी हादसे में जान गई है। हादसे में जान गंवाने वाले 13 नेपाली नागरिकों में से 7 एक ही परिवार के थे। यह परिवार पवित्र मुक्तिनाथ मंदिर दर्शन करने के लिए जा रहा था। ये परिवार धनुषा जिले की मिथिला नगरपालिका क्षेत्र का रहने वाला था। मरने वालों में राजन कुमार गोले, उनके पिता इन्द्र बहादुर गोले, मां राममाया तामाड, काका पुरुषोत्तम गोले, काकी तुलसा देवी तामाड, मामा मकर बहादुर तामाड और मामी सुकुमाया तामाड शामिल हैं। इनके परिवार के सदस्यों ने ही इनके विमान में होने की पुष्टि की है। हादसे की खबर मिलने के बाद से उनका परिवार गमगीन है। यह मंदिर जोमसोम से 18 किलोमीटर दूर मस्टैंग जिले में स्थित है। मंदिर 3760 मीटर की ऊंचाई पर स्थित दुनिया के सबसे बड़े थोरुंग ला दर्रे में बना हुआ है। माना जाता है कि यह उन 8 पवित्र मंदिरों में से एक है, जिन्हें किसी ने बनाया नहीं, बल्कि ये अपने आप उत्पन्न हुए हैं। मान्यता है कि यहां भगवान विष्णु को वृंदा के श्राप से मुक्ति मिली थी।

लालू के साले व पूर्व विधायक साधु यादव को 3 साल की कैद

पटना। एमपीएमएलए कोर्ट ने सोमवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के साले व पूर्व विधायक साधु यादव को तीन वर्ष की कैद व 16 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। मामला सरकारी कार्यालय में घुसकर परिवहन विभाग के अधिकारियों से बदसलूकी करने से जुड़ा है। एमपीएमएलए कोर्ट ने आईपीसी की धारा 347 में तीन वर्ष कैद व 5 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर एक माह की अतिरिक्त सजा होगी। आईपीसी की धारा 353 में दो साल की कैद व 5 हजार रुपये जुर्माना, धारा 448 में एक साल की सजा व एक हजार रुपये जुर्माना, धारा 506 में 2 साल कैद व 5 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। साधु यादव के अधिवक्ता ने बताया है कि प्रोविजनल बेल लेकर पूर्व विधायक याचिका दायर करने वाले हैं।

एलन मस्क को वेतन के रूप में मिलते हैं 1.82 लाख करोड़, इस सूची में 7वें स्थान पर हैं सत्या नडेला

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेस एक्स जैसी कंपनियों के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क दुनिया की फॉर्च्यून-500 कंपनियों में सबसे ज्यादा वेतन पाने के मामले में भी पहले नंबर पर हैं। फॉर्च्यून लिस्ट के अनुसार, उन्हें दुनिया की किसी भी कंपनी के सीईओ से ज्यादा वेतन मिलता है। वर्ष 2021 में एलन मस्क को वेतन के तौर पर 23.5 अरब डॉलर यानी 1.82 लाख करोड़ रुपए मिले। मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला फॉर्च्यून 500 कंपनियों में 65वें स्थान पर है। एपल के टिम कुक सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले सीईओ में दूसरे नंबर पर आते हैं। उन्हें 2021 में 77.05 करोड़ डॉलर यानी करीब 6 हजार करोड़ रुपये सैलरी के रूप में मिले। फॉर्च्यून 500 कंपनियों की लिस्ट में ऐपल तीसरे स्थान पर है। एनवीआईडीआईए के को-फाउंडर और सीईओ जेनसेन हुआंग 50.7 करोड़ डॉलर के साथ तीसरे और नेटफ्लिक्स के सीईओ रीड हेस्टिंग्स इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। सबसे ज्यादा वेतन पाने वालों की सूची की खास बात यह है कि इसमें शामिल सभी सीईओ टेक और बायोटेक कंपनियों के ही हैं।

केरल में भारी बारिश, अगले पांच दिनों तक आंधी-तूफान की आशंका

दिल्ली में भी हो सकती है बारिश, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र में भी प्री मॉनसून गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। केरल में मानसून के प्रवेश के साथ ही देश के अलग-अलग राज्यों में मानसून का इंतजार तेज हो गया है। वहीं अब कर्नाटक एवं महाराष्ट्र में भी प्री मॉनसून गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में केरल के बाकी इलाकों के साथ-साथ तटीय कर्नाटक और महाराष्ट्र में मानसून का सिस्टम आगे बढ़ेगा। मौसम विभाग ने केरल में अगले 5 दिनों तक बारिश और आंधी-तूफान की आशंका जताई है। वहीं दिल्ली में भी बारिश हो सकती है। दिल्ली में सोमवार को न्यूनतम तापमान 28 डिग्री और अधिकतम तापमान 41 डिग्री रह सकता है। राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में रविवार को दिनभर तेज धूप और गर्मी रही। जबकि शाम को धूल भरी आंधी और हल्की वर्षा से मौसम खुशगवार हो गया। मौसम में अचानक आई इस तब्दीली से दिल्लीवासियों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक इस पूरे सप्ताह गर्मी और तापमान परेशान करेगा।

सोमवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहने के आसार हैं। दिनभर आंशिक बादल छाए रहेंगे। मंगलवार और बुधवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। तीन जून और चार जून को मौसम साफ रहेगा। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में अलर्ट जारी किया है। रविवार को राजधानी लखनऊ सहित कई जिलों में बारिश हुई। सोमवार को भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक देवरिया, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, गोरखपुर, महाराजगंज, कुशीनगर, सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, सीतापुर, बहराइच, कौशांबी, चित्रकूट, रायबरेली, अमेठी, बांदा, फतेहपुर, हमीरपुर और महोबा में आज बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून समय से पहले दस्तक दे सकता है। वर्तमान समय में प्री मानसून बिहार में सक्रीय है। अगले 48 घंटों में भी बिहार के कई इलाकों में प्री मानसून बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने आंधी-पानी की आशंका जताई है। साथ ही कई स्थानों पर बिजली गिरने की भी बात कही है। मौसम विभाग के मुताबिक सुपौल, मोतिहारी, अररिया, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, किशनगंज, पूर्णिया, मधेपुरा, कटिहार, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, सहरसा और दरभंगा के क्षेत्रों सहित बिहार के उत्तरी क्षेत्रों में सर्वाधिक बारिश होगी।

इंडोनेशिया नौका हादसा- तीन दिन बाद 10 और लोगों का पता लगाया गया

मकास्सर, इंडोशिया। इंडोनेशिया के दक्षिणी सुलावेसी प्रांत में हुए नौका हादसे में लापता 10 अन्य लोगों का पता लगा लिया है। जानकारी के मुताबिक मकास्सर जलडमरूमध्य में एक मालवाहक नौका के डूबने के तीन दिन बाद 10 और लोगों का पता लगा लिया गया है, जिसमें नाव का कप्तान और चालक दल के अन्य सदस्य भी शामिल हैं। यह नौका शुक्रवार को खराब मौसम के कारण डूब गई थी। इसमें सवार 42 में से 31 लोगों को बचा लिया गया है। प्रांतीय खोजी और राहत एवं बचाव एजेंसी के प्रमुख जुनैदी ने बताया कि बचाव अभियान शनिवार को शुरू किया गया था। 'केएम लदांग पेरतिवी 02' नौका गुरुवार सुबह मकास्सर के एक बंदरगाह से पैंगकेप रीजेंसी के कलमास द्वीप जा रही थी। नौका में सवार 10 लोगों को सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने बचा लिया और उन्हें पमांतौआन द्वीप स्थित अपने घर ले गए।

जुनैदी ने बताया, वे सुरक्षित हैं और उनकी हालत ठीक है। डूबी हुई नौका को शुरू में एक यात्री नौका बताया गया था, लेकिन बाद में जुनैदी ने स्पष्ट किया कि यह निर्माण सामग्री ले जाने वाली एक मालवाहक नौका थी। इस पर 36 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि खोज एवं बचाव दल 11 शेष यात्रियों की तलाश कर रहे हैं।

17,000 से अधिक छोटे द्वीपों के द्वीपसमूह इंडोनेशिया में नौका हादसे आम हैं। यहां अक्सर परिवहन के लिए नौकाओं का उपयोग किया जाता है और इस दौरान सुरक्षा नियमों की अनदेखी भी की जाती है। उत्तरी सुमात्रा प्रांत में 2018 में ज्वालामुखी से बने एक गहरे गड्ढे वाली झील में एक नौका के डूब जाने से 167 लोगों की मौत हो गई थी। उस नौका में लगभग 200 लोग सवार थे। वहीं, फरवरी 1999 में इंडोनेशिया में एक यात्री जहाज डूब गया था, जिसमें 332 लोग सवार थे। हादसे में केवल 20 लोग ही जीवित बचे थे। इस हादसे को देश के सबसे दर्दनाक हादसों में से एक माना जाता है।

यूपी सरकार का ऐलान, कुत्ता पालने वाले मालिकों को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा

लखनऊ। अगर आप कुत्ता पालने का शौक रखते हैं, तब आपके ऊपर अब कुत्तों के साथ-साथ उनके लिए लाइलेंस लेने की भी जिम्मेदारी होगी। यूपी सरकार ने कुत्ता पालने वाले मालिकों से लाइसेंस रखना अनिर्वाय कर दिया है। इसकी शुरुआत लखनऊ से हुई थी और जल्द ही यूपी के सभी शहरों में विस्तारित किया जाएगा। नियम के अनुसार, अगर आपके पास लाइसेंस नहीं है, तब ऐसी स्थिति में कुत्ते के मालिक पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। साथ ही कुत्ते को नगरपालिका अधिकारियों द्वारा जब्त भी किया जाएगा।

नगरपालिका अधिकारी जल्द ही 1 जून से पालतू जानवरों के मालिकों का घर-घर सर्वेक्षण करने वाले हैं। यह उन लोगों को दंडित करेगा जिनके पास अपने पालतू कुत्तों का लाइसेंस नहीं है। लखनऊ नगर निगम की आठ टीमें चार-चार सदस्यों के साथ घर-घर जाकर सर्वे करेंगी। लखनऊ नगर निगम रिकॉर्ड के मुताबिक, शहर में करीब 4,000 पालतू कुत्ते हैं। पिछले साल लगभग 2,500 पालतू कुत्तों के मालिकों ने लाइसेंस लिया। एलएमसी के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अरविंद राव ने कहा कि, टीमें बिना लाइसेंस के पालतू कुत्तों को अपने साथ ले जाएगी और मालिकों द्वारा 5,000 रुपये का जुर्माना भरने के बाद ही उन्हें रिहा करेंगी। उन्होंने कहा कि, अगर मालिक जुर्माना देने में विफल रहता है, तब पालतू जानवर को इंदिरा नगर के एलएमसी डॉग शेल्टर होम में भेज दिया जाएगा। हर पालतू जानवर के मालिक को कुत्ते के मल को लेने और उसका निपटान करने के लिए एक बैग ले जाने की आवश्यकता होती है, लेकिन कई लोग नियम का पालन नहीं करते हैं। डॉ राव ने कहा, हमें पालतू जानवरों के मालिकों के पड़ोसियों से उनके घरों के बाहर शौच करने वाले कुत्तों पर रोजाना चार शिकायतें मिलती हैं।

न्यूज़ ट्रैक....

फ्रेंच ओपन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जोकोविच और नडाल

पेरिस । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच और स्पेन के रफल नडाल फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये हैं जहां इन दो दिग्गजों का मुकाबला होगा। शीर्ष वरीयत प्राप्त जोकोविच ने अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्ट्जमैन को 6-1, 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। जोकोविच ने श्वार्ट्जमैन के खिलाफ पहला सेट आसानी से जीता। वहीं इसके बाद श्वार्ट्जमैन ने दूसरे सेट में लगातार 3 गेम जीतकर 3-0 की बढ़त हासिल की पर जोकोविच ने इसके बाद लगातार सात गेम जीतकर वापसी करते हुए दूसरा सेट जीता और फिर तीसरे सेट में 1-0 से बढ़त हासिल करने के बाद मुकाबला अपने नाम कर लिया। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल भी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। नडाल ने चौथे दौर में फेलिक्स ऑगर एलिसिमे को 3-6, 6-3, 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। दूसरी ओर महिला वर्ग में अमेरिकी ओपन की उप विजेता कनाडा की लैला फर्नांडिज ने अमांडा एनिसिमोवा परला 6-3, 4-6, 6-3 को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। अब लैला का सामना इटली की मार्टिना ट्रेविसान से होगा। मार्टिना ने एक अन्य मुकाबले में अलीकसांद्रा सासनोविच को 7-6, 7-5 से हराया।

रुद्रांक्ष निशानेबाजी विश्व कप के अंतिम आठ में पहुंचे

बाकू । भारत के रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल ने अजरबैजान में जारी आईएसएसएफ विश्व कप राइफल , पिस्टल और शॉटगन प्रतियोगिता के पहले दिन 10 मीटर एयर राइफल के अंतिम आठ में जगह बनायी है। भारत ने इस विश्व कप में केवल 12 सदस्यीय राइफल टीम ही मैदान में उतारी है। हाल ही में हुए जूनियर विश्व कप में जीते रुद्रांक्ष ने 78 मजबूत क्वालीफिकेशन क्षेत्र में 628.8 अंक के साथ ही चौथा स्थान हासिल किया था। वहीं सर्बिया के लजार कोवेसेविक ने 60-क्वालीफाइंग शॉट्स के बाद 630.6 के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके अलावा भारत के ही दीपक कुमार ने 626.8 अंक के साथ 15वां, पार्थ मखीजा ने 624.7 अंक के साथ 26वां स्थान हासिल किया है।

टीम को जीत दिलाना था लक्ष्य : तेवतिया

अहमदाबाद । आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर राहुल तेवतिया ने कहा है कि उनका सत्र की शुरुआत से ही अपनी टीम को जीत दिलाने का लक्ष्य था। गुजरात ने फाइनल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स पर सात विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। तेवतिया ने कहा, ' किसी ने मुझसे पूछा था कि आपका लक्ष्य क्या है। मैंने कहा था कि मेरा व्यक्तिगत लक्ष्य कुछ नहीं है। एक टीम है सिर्फ टीम को जिताना। नई टीम आई है, नई टीम के साथ खेलेंगे। ट्रॉफी जीतेंगे तो उससे अच्छी बात और भला क्या हो सकती है।' तेवतिया ने आईपीएल के 15वें सीजन में 16 मैच खेलते हुए कुल 217 रन बनाए। इस दौरान उनका सबसे बड़ा स्कोर नाबाद 43 रन रहा है। इस युवा खिलाड़ी ने कहा, ' नीलामी के बाद लोगों का कहना था कि हमारी टीम में बल्लेबाज कम अनुभवी हैं पर जिस प्रकार का भरोसा हम लोगों पर कप्तान ने दिखाया उससे हमें बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली। टीम ने एकजुट होकर प्रयास किये और उसी से हमें जीत मिली है।

भारत में उभरते हुए तेज गेंदबाजों से प्रभावित हैं ब्रेट ली

मुंबई । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज रहे ब्रेट ली ने भारत में उभरते हुए तेज गेंदबाजों की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में आवेश खान, मोहसिन खान, उमरान मलिक, मुकेश चौधरी, अर्शदीप सिंह जैसे युवा तेज गेंदबाजों ने अपनी प्रतिभा दिखायी है। उन्होंने कहा, '' भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजों की फौज निकल रही है। यह मुझे काफी पसंद आया।'' ली ने कहा, ''उनके पास अच्छे स्पिन विकल्प भी हैं पर निश्चित रूप से अगर आप ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो तेज उछाल वाले विकेटों पर तेज गेंदबाजी कर सकें।'' उन्होंने कहा कि उमरान मलिक को टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिये। ली ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के खराब फार्म को लेकर कहा है उन्हें अपनी लय हासिल करने के लिए ब्रेक ले लेना चाहिये। इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के अनुसार विराट का लंबे समय से फार्म में न होना परेशानी का कारण बन सकता है। इससे उबरने के लिए उन्हें तरोताजा होने की जरुरत है। आईपीएल के 15 वें सत्र में भी विराट केवल दो अर्धशतक ही लगा पाये और तीन बार पहली ही गेंद पर आउट हुए।

ली ने कहा कि कोहली ने पिछले तीन साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई शतक नहीं लगाया है। आईपीएल में भी वह 16 मैचों में 22.73 की औसत से केवल 341 रन ही बना सके। ली ने कहा, '' कोहली को लेकर आमतौर पर यह बात रहती है कि जब वह अच्छा करते हैं तो टीम का प्रदर्शन भी अच्छा रहता है और जब वह रन नहीं बनाते हैं तो टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है। हमने 2016 आईपीएल सत्र में देखा है जब वह शानदार लय में थे। उन्होंने 800-900 रन बनाये थे तो टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। '' उन्होंने कहा, '' इन हालातों में विराट के लिए अभ्यास में वापस जाने और कुछ चीजों पर काम करने का मौका हो और शायद क्रिकेट से आराम करने से भी उन्हें फायदा होगा। इसलिए उन्हें कुछ समय के लिए खेल से दूर रहकर दिमाग को तरोताजा करना चाहिये।''

बिश्नोई आने वाले समय में भारतीय टीम से खेलेंगे : राशिद

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने युवा स्पिनर रवि बिश्नोई की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि आने वाले समय में वह राष्ट्रीय टीम से खेलेंगे। राशिद ने कहा, बिश्नोई एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। मैंने उनसे काफी बार बात की है। आने वाले समय में वह भारत के लिए एक अच्छे स्पिनर होंगे। इसके लिए उन्हें अपने कौशल पर भरोसा करना होगा और टीम को समर्थन । राशिद ने इसके अलावा लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की भी जमकर सराहना की। चहल ने इस आईपीएल सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। इससे पहले के आईपीएल सत्रों में चहल ने आरसीबी की ओर से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। इस गेंदबाज ने कहा, निश्चित रूप से, जिस तरह से उसने भारत के लिए प्रदर्शन किया है, वह सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है।

आईपीएल के इस सत्र में आरसीबी के युवा रहे सफल , स्टार रहे फ्लाप

मुम्बई । आईपीएल के इस 15 वें सत्र में तीसरे स्थान पर आयी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम का खिताब जीतने का सपना इस बार भी टूट गया। दूसरे क्वालीफायर में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार के बाद बाहर होना पड़ा। इस सत्र की शुरुआत आरसीबी ने अच्छी की पर बीच में वह लड़खड़ा गयी। उसके स्टार खिलाड़ी विराट कोहली नहीं चले जबकि कप्तान फाफ डुप्लेसी का प्रदर्शन भी सामान्य रहा। इसके साथ ही उसका शीर्ष क्रम भी टूर्नामेंट में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाया। टीम पूरे सत्र में शीर्ष क्रम की नाकाम से परेशान रही। फाफ डुप्लेसी के साथ शुरु के मैचों में अनुज रावत ने पारी की शुरुआत की पर असफल रहने के बाद विराट कोहली को पारी की शुरुआत के लिए भेजा गया। विराट भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर कोई कमाल नहीं दिखा पाये। वह तीन बार पहली ही गेंद पर आउट हुए और केवल दो अर्धशतक की लगा पाये। स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा। विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का प्रदर्शन हालांकि अच्छा रहा।

उमरान , बटलर सहित छह खिलाड़ियों को मिले अवार्ड

अहमदाबाद । आईपीएल के 15 वें सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक और राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज जोस बटलर सहित छह खिलाड़ियों को अवार्ड मिले हैं। उमरान को अपनी तेज गेंदबाजी के लिए इमर्जिंग प्लेयर अवार्ड मिला है। उमरान ने लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सबका ध्यान खींचा हैं। इस युवा गेंदबाज ने 14 मैचों में कुल 22 विकेट लिए। वह सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में चौथे नंबर पर हैं। वहीं राजस्थान के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर को भी कुछ 6 अवॉर्ड मिले हैं। बटलर ने इस टूर्नाटमेंट में सबसे ज्यादा 863 रन बनाए हैं। बटलर की बल्लेबाजी से ही टीम फाइनल तक पहुंची हालांकि वहां उसे गुजरात टाइटंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा है।

आईपीएल 2022 में खिलाड़ियों को मिले अवॉर्ड

इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन= उमरान मलिक (10 लाख)

मोस्ट सिक्सेस ऑफ द सीजन = जोस बटलर (10 लाख)

सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन = दिनेश कार्तिक (10 लाख, टाटा पंच)

गेम चेंजर अवॉर्ड = जोस बटलर (10 लाख)

फेयर प्ले अवॉर्ड = गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स

पावर प्लेयर ऑफ द सीजन= जोस बटलर (10 लाख)

फास्टेस्ट बॉल ऑफ द सीजन = लॉकी फर्ग्यूसन (157.3ज्ञ्क्षा)

मोस्ट 4 ऑफ द सीजन = जोस बटलर (10 लाख)

पर्पल कैप = युजवेंद्र चहल (27 विकेट, 10 लाख)

ऑरेंज कैप = जोस बटलर (863 रन, 10 लाख)

कैच ऑफ द सीजन = एविन लुईस (10 लाख)

मोस्ट वैल्यूएब प्लेयर ऑफ द सीजन = जोस बटलर (10 लाख)।

गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी हुए मालामाल

अहमदाबाद (ईएमएस)। हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी आईपीएल के 15 वें सत्र में खिताब जीतने के साथ ही मालामाल हुए हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए कप्तान (हार्दिक पंड्या को मैन ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। हार्दिक ने पहले गेंदबाजी में 3 विकेट लिए, उसके बाद बल्लेबाजी में भी उन्होंने 34 रनों की पारी खेली। अपने पहले ही सत्र में खिताब जीतकर सबको प्रभावित करने वाली गुजरात को ईनामी राशि के तौर पर ट्रॉफी के साथ ही 20 करोड़ रुपये भी मिले हैं। वहीं उप विजेता राजस्थान रॉयल्स को 12.5 करोड़ जबकि तीसरे नंबर पर रहने वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को 7 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं चौथे नंबर पर रहने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स को 6.5 करोड़ रुपये मिले हैं। फाइनल में हार के साथ ही राजस्थान का 14 साल के बाद दूसरी बार खिताब जीतने का सपना भी टूट गया।

राष्ट्रमंडल और टी20 के लिए अभ्यास कर रही तानिया

पुणे । भारतीय महिला क्रिकेट की विकेटकीपर बल्लेबाज तानिया भाटिया आजकल राष्ट्रमंडल और विश्व टी20 टीम में जगह पक्की करने के लिए अपने स्ट्राइक रेट पर काम कर रही हैं। तानिया ने कहा है कि वह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों और अगले साल होने वाले विश्व टी20 से पहले राष्ट्रीय महिला टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहती हैं। इसके लिए उनका ध्यान अपना स्ट्राइक रेट बेहतर करने पर लगा है। 24 साल की यह खिलाड़ी दो साल पहले टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान सिर में गेंद लगने के कारण 'रिटायर हर्ट% होने के बाद से भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पायी है। उसने पिछले साल इंग्लैंड में तीन एकदिवसीय खेले थे जिसमें वह दो अवसरों पर केवल सात और दो रन ही बना पायी थी। वह इस साल भी वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों के लिए टीम में थीं पर उसने केवल एक पारी खेलीं और आठ रन ही बना पायी। उसे इस साल न्यूजीलैंड में विश्व कप टीम में शामिल किया गया था पर वहां भी उसे खेलने का अवसर नहीं मिला था। तानिया ने कहा कि मैंने हालातों का स्वीकार कर लिया है। इसी के तहत मैंने विश्व कप के दौरान सोचा कि जब मैं जाऊंगी तो मैं अपनी बल्लेबाजी पर काम करूंगी। मैं जानती थी कि इस इस सत्र में टी20 मैच होंगे , इसलिए मैंने घरेलू टूर्नामेंट के दौरान अपने स्ट्राइक रेट पर काम करना शुरू कर दिया था।

केकेआर के अगले कोच बन सकते हैं ये पूर्व क्रिकेटर

मुम्बई । न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम अब अगले सत्र से कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कोच नहीं रहेंगे। ऐसे में उनकी जगह केकेआर के अगले कोच के लिए साइमन कैटिच , ट्रेवर बेलिस , जैक कैलिस और जस्टिन लैंगर जैसे पूर्व क्रिकेटर प्रबल दावेदार बताये जा रहे हैं। .साइमन कैटिच = पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कैटिच कोच पद के बड़े दावेदार हैं क्योंकि वह केकेआर टीम के कोचिंग स्टाफ में रहे हैं और उन्हें लंबा अनुभव है। वह नीलामी से पहले ही सनराइजर्स हैदराबाद के सहायके कोच पद भी रहे थे। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के साथ भी काम किया है। उसने रहते आरसीबी ने ने 2020 और 2021 में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था। ट्रेवर बेलिस = पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बेलिस पहले भी कोलकाता नाइट राइडर्स के कोच रहे हैं और उनका कोच के तौर पर अच्छा रिकार्ड रहा है। बेलिस के कोच रहते ही केकेआर ने दो बार आईपीएल खिताब जीत था। वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद टीम के कोच भी रहे हैं पर अभी ऑस्ट्रेलियाई घरेलू बिग बैश लीग में कोच हैं।

जैक्स कैलिस = पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी कैलिस पूर्व में केकेआर बल्लेबाजी सलाहकार और मुख्य कोच रहे थे। कैलिस के मार्गदर्शन में ही केकेआर ने तीन बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया। ऐसे में कोच के तौर पर उनकी दावेदारी भी पक्की नजर आती है। जस्टिन लैंगर = पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर जस्टिन लैंगर अपने देश की राष्ट्रीय टीम के कोच रहे हैं। अब वह केकेआर से जुड़कर आईपीएल में भी कोच के तौर पर अपनी जगह बनाना चाहेंगे।

व्यापार न्यूज

मारुति ऑफ-रोड एसयूवी का 5-डोर वर्जन लाने की तैयारी में

नई दिल्ली । कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ऑफ-रोड एसयूवी का 5-डोर वर्जन लाने की तैयारी कर रही है। ये कार महिंद्रा थार की अपकमिंग 5-डोर और फोर्स गुरखा जैसी कारों को टक्कर देगी। मारुति सुजुकी जिम्नी 5-डोर को दो सीटिंग कंफीग्रेशन यानि 5 सीटर और 7 सीटर के लिए तैयार किया जा रहा है। मारुति की इस गाड़ी को लेकर कहा जा रहा है कि फरवरी 2023 में ये कार प्रोडक्शन स्टेज में एंट्री ले सकती है। हालांकि सेमी-कंडक्टर की कमी के चलते इस कार के प्रोडक्शन में देरी भी देखने को मिली है। कुछ रिपोर्ट्स में सामने आया है कि कंपनी इस साल जून में ही कार के प्री-प्रोडक्शन से जुड़े कामों को लेकर एक्टिव हो जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, पहले फेज में इस कार के मॉडल को 70 प्रतिशत स्थानीय स्तर पर सोर्स किए गए पुर्जों से निर्माण किया जाएगा। मारुति सुजुकी इसके बाद धीरे-धीरे लोकलाइजेशन का स्तर बढ़ाएगी। कंपनी का टारगेट है कि शुरुआती कुछ सालों में 75000 यूनिट्स का निर्माण किया जाए। इस रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इंडो-जापानी कंपनी मारुति सुजुकी को अब तक बोर्ड और अधिकारियों की तरफ से अनुमति नहीं दी गई है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे चढ़कर 77.46 पर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार में तेजी और विदेशों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से सोमवार को रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे चढ़कर 77.46 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 77.53 पर खुला और आगे बढ़त दर्ज करते हुए 77.46 के भाव पर आ गया, जो पिछले बंद के मुकाबले 12 पैसे की तेजी दर्शाता है। रुपया पिछले सत्र में शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 77.58 के स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.55 पर आ गया।

सोना और चांदी की कीमत में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी की वजह से सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी दिखाई दे रही है। सोमवार को 24 कैरेट सोने का भाव 52,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के ऊपर नजर आ रहा है। भारत में सोने का भाव 52,090 रुपए प्रति 10 ग्राम चल रहा है। 22 कैरेट सोने का भाव 47,750 रुपए प्रति 10 ग्राम है। दिल्ली में 22 कैरेट सोने का भाव 47,750 रुपये है। यानी 10 ग्राम सोने का भाव राष्ट्रीय राजधानी में साढ़े सैंतालिस हजार के ऊपर है। वहीं दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 52,090 है। मुंबई में 22 कैरेट सोने की कीमत 47,750 रुपए नजर आई। शुक्रवार को सोने में 303 रुपए की तेजी थी। वैश्विक बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में आई तेजी के रुख के अनुरूप दिल्ली सर्राफा बाजार में पिछले शुक्रवार को सोना 303 रुपए की तेजी के साथ 50,939 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत भी 1,023 रुपए के उछाल के साथ 62,636 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 61,342 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

इथोस के शेयर निर्गम मूल्य से छह फीसदी गिरे

नई दिल्ली । लग्जरी घड़ी विक्रेता कंपनी इथोस लिमिटेड के शेयर सोमवार को अपने निर्गम मूल्य 878 रुपए के मुकाबले छह फीसदी की गिरावट के साथ शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 5.46 फीसदी की गिरावट लेकर 830 रुपए प्रति शेयर पर सूचीबद्ध हुआ, फिर यह और टूटकर 796.80 पर आ गया जो 9.24 फीसदी की गिरावट दर्शाता है। एनएसई पर यह छह फीसदी की गिरावट के साथ 825 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। इथोस के आईपीओ को 20 मई को 1.04 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ के तहत 375 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए और 11,08,037 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की।

शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत

सेंसेक्स में 848 अंक की तेजी, निफ्टी 16,600 के पार

मुंबई । वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार पिछले सप्ताह की तेजी को बरकरार रखते हुए सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को जोरदार बढ़त के साथ खुले। सोमवार सुबह के ही कारोबार में सेंसेक्स ने 55 हजार का आंकड़ा पार कर लिया, जबकि निफ्टी 16,600 के ऊपर कारोबार करने लगा। सेंसेक्स शुरुआत में 623 अंक चढ़कर 55,508 पर खुला जबकि निफ्टी ने 176 अंकों की बढ़त बनाई और 16,528 पर खुलकर कारोबार शुरू किया। निवेशक शुरुआत से ही बुलिश नजर आए और जमकर खरीदारी की। निवेशकों ने शुरुआत से ही खरीदारी बनाए रखी जिससे इन्फोसिस के शेयरों में तीन फीसदी तक उछाल दिखने लगा। इसके अलावा एचसीएल टेक, विप्रो, टाइटन, अल्टाट्रेक सीमेंट, टेक एम, एमएंडएम, आरआईएल, टीसीएस और एचडीएफसी के शेयरों पर जमकर दांव लगाया जिससे ये स्टॉक टॉप गेनर की सूची में आ गए। सेंसेक्स की सभी 30 कंपनियों के शेयर हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं।

बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप पर भी 1.4 फीसदी का उछाल दिख रहा है। सबसे ज्यादा 2.5 फीसदी का उछाल आईटी सेक्टर में दिख रहा है। इसके अलावा ऑटो और फाइनेंशियल सेक्टर में भी एक फीसदी तक तेजी दिख रही है। पिछले तीन सत्रों से तेज बढ़त बनाने के बाद बाजार में अनिश्चितता का सूचकांक भी गिर गया है। एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार सोमवार सुबह बढ़त पर खुले हैं। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज पर सुबह के कारोबार में 0.73 फीसदी की तेजी दिख रही है, जबकि जापान का निक्केई 1.84 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा है. इसके अलावा हांगकांग के स्टॉक एक्सचेंज पर 1.14 फीसदी और ताइवान में 1.23 फीसदी की बढ़त दिख रही है । दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार 1.04 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.34 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा है।

शेयर बाजार में भारी उथल-पुथल के बीच म्यूचुअल फंड लगातार पहली पसंद बने

नई दिल्ली । शेयर बाजार में भारी उथल-पुथल के बीच म्यूचुअल फंड लगातार पहली पसंद बने हुए हैं। लंबे समय के लिए निवेश के लिए म्यूचुअल फंड निवेशकों को कभी निराश नहीं करते। म्यूचुअल फंड में आप एकमुश्त या फिर किस्तों में पैसा निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड में निवेश में पूरी तरह पारदर्शिता रहता है। फंड हाउस के मैनेजर आपका पैसा अलग-अलग स्टॉक में निवेश करते हैं। कितना पैसा किस स्टॉक में लगा रहा है, इसकी पूरी जानकारी आप ऑनलाइन देख सकते हैं। सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी सिप के माध्यम से आप किस्तों में पैसा निवेश कर सकते हैं। एसआईपी का फायदा यह रहता है कि निवेशक को एकमुश्त रकम जमा नहीं करनी पड़ती। वह अपनी सुविधा और इनकम के हिसाब से निवेश कर सकता है। एसआईपी की मदद से समाज के हर वर्ग को निवेश करने की सहूलियत दी है। आप इसमें 100 रुपये भी निवेश कर सकते हैं। नए निवेशकों के लिए सिप बहुत ही फायदेमंद होता है। सिप के कई फायदे हैं। इसके माध्यम से लंबे समय के लिए निवेश किया जाता है। लंबे समय के निवेश पर आपको कम्पाउंडिंग का फायदा मिलता है। सिप से आप म्यूचुअल फंड में महज 100 रुपये से भी निवेश शुरू कर सकते हैं।

भारत की दूसरी सर्वाधिक लाभ कमाने वाली कंपनी का तमगा ओएनजीसी के खाते में

नई दिल्ली । पब्लिक सेक्टर की अग्रणी कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने बीते वित्त वर्ष (2021-22) में करीब 40,306 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध मुनाफा कमाया है। कच्चे तेल के उत्पादन पर ऊंची कीमत मिलने की वजह से ओएनजीसी रिकॉर्ड मुनाफा कमा पाई है। इस तरह अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद ओएनजीसी देश की दूसरी सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली कंपनी बन गई है। ओएनजीसी ने एक बयान में कहा कि बीते वित्त वर्ष में उसका शुद्ध लाभ 258 प्रतिशत के उछाल के साथ 40,305.74 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष (2020-21) में कंपनी ने 11,246.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। समीक्षाधीन वित्त वर्ष में कंपनी को प्रत्येक बैरल कच्चे तेल के उत्पादन और बिक्री पर 76.62 डॉलर मिले। वहीं, इससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी को प्रत्येक बैरल कच्चे तेल के उत्पादन पर 42.78 डॉलर मिले थे।

76.62 डॉलर ओएनजीसी को कच्चे तेल के उत्पादन पर मिलने वाली अब तक की सबसे अधिक कीमत है। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद 2021 के आखिर में अंतर्राष्टीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और यह करीब 14 साल के उच्चस्तर 139 डॉलर प्रत बैरल पर पहुंच गए। इसी वृद्धि का लाभ ओएनजीसी को भी मिला। बता दें कि 2008 में जब कच्चे तेल के दाम 147 डॉलर प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर थे तब ओएनजीसी को पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनियों को सब्सिडी देनी पड़ी थी जिसकी वजह से उसकी आय कम हुई थी। हालांकि, अब ओएनजीसी को अंतर्राष्टीय कीमतों के हिसाब से ही भुगतान हो रहा है। इससे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीते वित्त वर्ष में 67,845 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। वित्त वर्ष के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज की आमदनी 7,92,756 करोड रुपये रही थी। उसके बाद टाटा स्टील का स्थान था जिसने बीते वित्त वर्ष 33,011.18 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। हालांकि, अब ओएनजीसी ने 40,306 करोड़ के मुनाफे के साथ उसे पीछे छोड़ दिया है। अब टाटा स्टील तीसरे, टीसीएस (38,449 करोड़ रुपये) चौथे और एसबीआई (31,676 करोड़ रुपये) पांचवें स्थान पर है।

ओएनजीसी को वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही 8,859.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ मिला है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में हुए 6,733.97 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ से 31.5 फीसदी अधिक है। कंपनी के बोर्ड ने शेयरधारकों के लिए 5 रुपए की फेस वैल्यु वाले शेयर पर 3.5 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड की सिफारिश की है।

पारादीप बंदरगाह को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा: मंत्रालय

नई दिल्ली । ओडिशा में पारादीप बंदरगाह को 3,004.63 करोड़ रुपए की लागत से एक विश्व-स्तरीय आधुनिक बंदरगाह बनाया जाएगा, जिसमें बड़े आकार के शुष्क मालवाहक कैप्साइज जहाजों को संभालने की क्षमता भी होगी। बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना के तहत पारादीप बंदरगाह का विकास सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) से निर्माण, संचालन और हस्तांतरण (बीओटी) मॉडल पर किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक यह परियोजना पारादीप बंदरगाह को एक विश्व-स्तरीय आधुनिक बंदरगाह में बदल देगी जिसमें कैप्साइज जहाजों को संभालने की क्षमता भी होगी। मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना की अनुमानित लागत 3,004.63 करोड़ रुपए है। कैप्साइज़ जहाज मालवाहक श्रेणी का सबसे बड़ा समूह है जो लौह अयस्क एवं कोयला जैसे माल की भी ढुलाई कर सकता है। कैप्साइज जहाज अपने लंबे आकार की वजह से पनामा नहर से नहीं गुजर सकते हैं और उन्हें प्रशांत एवं अटलांटिक महासागरों के बीच जाने के लिए केप ऑफ गुड होप के चारों ओर चक्कर लगाना पड़ता है। बयान के मुताबिक पारादीप बंदरगाह के आधुनिकीकरण में बीओटी के आधार पर 2,040 करोड़ रुपए की लागत से नए पश्चिमी गोदी का विकास किया जाएगा। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि यह परियोजना पारादीप बंदरगाह के एक मेगा पोर्ट बनने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह पूर्वी राज्यों के विकास के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है और बंदरगाह की क्षमता में 2.5 करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता जोड़ने के साथ-साथ बंदरगाह की दक्षता में सुधार करने में योगदान देगा।बयान इस परियोजना से बंदरगाह की भीड़ कम होगी, समुद्री मालभाड़ा कम होगा, कोयले का आयात सस्ता होगा।

डांस इंडिया डांस फेम स्नेहा गुप्ता जल्द वेब सीरीज में आएंगी नजर, बनेंगी 'तवायफ'

डांस इंडिया डांस, दिल दोस्ती डांस और एक विवाह ऐसा भी फेम स्नेहा गुप्ता जल्द ही वेब सीरीज में नजर आएंगी. वो 'तवायफ' सीरीज में एक सेक्स वर्कर की भूमिका में दिखाई देंगी. 8 एपिसोड्स की इस सीरीज में देश में रह रहे सेक्स वर्कर्स की जिंदगी को दर्शाया जाएगा. इस चैलेंजिंग रोल को निभाने के लिए एक्ट्रेस काफी उत्साहित हैं. नेहा ने बताया कि ये रोल काफी मुश्किल है क्योंकि ये एक संवेदनशील मुद्दा है. चूंकि सेक्स वकर्स की लाइफ खुद में बहुत संघर्षपूर्ण होती है ऐसे में ये किरदार निभाना उनके लिए एक बड़ी बात है. इस रोल के लिए खुद को तैयार करने की प्रेरणा स्नेहा को वेटरन एक्ट्रेस रेखा से मिली. उनका कहना है कि जिस तरह रेखा ने फिल्म उमराव जान में एक प्रॉस्टिट्यूट की भूमिका बखूबी निभाई थी. इसके अलावा मीना कुमारी ने पाकीजा में और माधुरी दीक्षित ने देवदास में तवायफ की भूमिका निभाई थी. ऐसे में इन्हें देखकर ऐसे रोल को करने की प्रेरणा मिली है. महरूक मिर्जा द्वारा निर्देशित इस वेब सीरीज में स्नेहा के अलावा दिग्गज कलाकार नसीरुद्दीन शाह, रजा मुराद, आसिफ शेख, मुकेश ऋषि, आयशा जुल्का, राखी सावंत और अश्मित पटेल अहम भूमिका में होंगे. ये रोल पाकर स्नेहा काफी खुश हैं. उनका मानना है कि ये खुद को साबित करने का एक अच्छा मौका होगा क्योंकि इसमें अच्छी एक्टिंग की जरूरत होगी. स्नेहा ने बताया कि इस रोल को करने के लिए उन्हें अपनी बॉडी लैंग्वेज सही भाषा पर पकड़ मजबूत करनी होगी।

विक्रम वेधा के हिंदी रीमेक के लिए सैफ अली खान ने जार्च की इतनी मोटी रकम

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सैफ अली खान आने वाले दिनों में कई बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में नजर आने वाले हैं। जिसमें उनकी फिल्म विक्रम वेधा का हिंदी रीमेक भी है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विक्रम वेधा एक तमिल फिल्म है। जिसका हिंदी में निर्माण किया जा रहा है। विक्रम वेधा के तमिल वर्जन में मुख्य किरदार के रूप में विजय सेतुपति और आर माधवन नजर आए थे। वहीं अब इसके हिंदी वर्जन में अभिनेता ऋतिक रोशन और सैफ अली खान को लेने की बातें चल रही है। खबरों के अनुसार ये दोनों ही कलाकार फिल्म विक्रम वेधा के रीमेक में मुख्य किरदार में नजर आएंगे। अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है जिसको सुनने के बाद आप उत्साहित हो जाएंगे। अभिनेता ऋतिक रोशन जहां फिल्म में गैंगस्टर के रोल में दिखाई देने वाले हैं। वहीं सैफ अली खान एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आने वाले हैं। अब ऐसे में अभिनेता सैफ अली खान को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। अभिनेता ने फिल्म के लिए काफी मोटी रकम मेकर्स से वसूली है। खबरों के अनुसार अभिनेता सैफ अली खान फिल्म के लिए करीब 12 करोड़ रूपए जार्च कर रहे हैं। फिल्म विक्रम वेधा के हिंदी रीमेक की शूटिंग जल्द ही शुरू करेंगे। खबरों में कहा जा रहा है कि, फिल्म के प्री प्रोडक्शन का काम चल रहा है। हो सकता है कि इसी साल गर्मियों में जून के महीने में फिल्म की शूटिंग शुरू की जाए। वैसे आपको बता दें कि फिल्म को लेकर कोई भी अधिकारी का ऐलान नहीं किया गया है। उम्मीद है कि फिल्म का आधिकारिक जल्द ही किया जाएगा।

आदित्य नारायण की जगह ऋत्विक धंजानी आएंगे नजर

रियलिटी शो इंडियन आइडल 12 सोनी चैनल पर प्रसारित किया जा रहा है. इस शो को एक बार फिर से फैंस के बीच उतना ही प्यार मिल रहा है जिसका पहले कभी पसंद किया जाता था. शो के कंटेस्टेंट को फैंस काफी पसंद किया जा रहा है. अब शो को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है. खबर के अनुसार अब आदित्य नारायण की जगह शो को ऋत्विक धंजानी को होस्ट करेंगे. हाल ही में शो के होस्ट आदित्य नारायण को कोरोना हो गया है. आदित्य इन दिनों रियलिटी शो इंडियन आइडल 12 को होस्ट करते नजर आते हैं, लेकिन कोरोना की चपेट में आने के कारण उन्होंने फिलहाल शो को छोड़ दिया है. आदित्य नारायण ने खुज सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की थी।

मानेकशॉ पर बन रही बायोपिक सैम बहादुर में मुख्य भूमिका में दिखेंगे विक्की कौशल

भारत के सबसे महान युद्ध नायकों में से एक फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ का जन्म को एक सदी हो चुके हैं। और आज उनकी जयंती के अवसर पर, आरएसवीपी से रॉनी स्क्रूवाला और फिल्म निमार्ता मेघना गुलजार ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म के शीर्षक 'सैम बहादुर' की घोषणा कर दी है। बहादुर मानेकशॉ के जीवन और समय के आधार पर, 'सैम बहादुर को इस विकराल फिल्म में प्रतिभाशाली विक्की कौशल द्वारा जीवित किया जाएगा जिसने पहले से ही अपने लुक रिलीज के साथ हर किसी का ध्यान आकर्षित कर लिया है। सैम मानेकशॉ के सैन्य करियर में चार दशक और पांच युद्ध शामिल है। वह पहले भारतीय सेना अधिकारी थे जिन्हें फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया था और 1971 के भारत-पाक युद्ध में उनकी सैन्य जीत के कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। सैम मानेकशॉ की बायोपिक में विक्की कौशल का पहला लुक 2019 में जारी किया गया था, जिसमें सैम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई थी। पिछले साल, निमार्ताओं ने विक्की कौशल का दूसरा लुक जारी किया था जिसमें विक्की का फील्ड मार्शल से हूबहू मिलते लुक सभी को स्तब्ध कर दिया था। फिल्म की घोषणा, प्रतिक्रिया और 'सैम बहादुर' में विक्की कौशल के लुक की प्रतिक्रियाओं ने इस बात की गवाही दी है कि युद्ध और जीवन में मानेकशॉ की पौराणिक स्थिति को याद किया जाता है और वे आज भी प्रासंगिक हैं। इस सफर को शुरू करने के लिए उत्साहित निर्देशक मेघना गुलजार कहती हैं, वह एक सैनिक के सिपाही और एक सज्जन व्यक्ति थे। सैम बहादुर जैसे पुरुष अब ओर नहीं बनते हैं। मैं रोनी स्क्रूवाला और अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली विक्की कौशल के साथ उनकी कहानी पेश करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। फील्ड मार्शल की जयंती पर, उनकी कहानी को नाम मिला है। मैं बहुत ज्यादा खुश हूं। शीर्षक भूमिका निभा रहे विक्की कौशल ने साझा किया, मैंने पंजाब से तालुख रखने वाले मेरे माता-पिता से हमेशा सैम बहादुर के बारे में कहानियाँ सुनी हैं और वह 1971 का युद्ध देख चुके हैं लेकिन जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मेरे होश उड़ गए थे। वह एक नायक और देशभक्त है, जिन्हें आज भी याद किया जाता है और प्यार किया जाता है और फिल्म में उसकी भावना को कैप्चर करना मेरे लिए सबसे ज्यादा महत्व रखता है। आगे, निर्माता रोनी स्क्रूवाला कहते हैं, हम अपने सबसे महान नायकों में से एक की कहानी को उजागर करने और उसकी जन्मशती के अवसर पर शीर्षक 'सैम बहादुर की घोषणा करने के लिए उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

नेताओं पर कुछ पाबंदियां जरुरी

संसद की संयुक्त समिति ने एक आदेश जारी किया है, जिसके कारण अब सांसदों को सिर्फ अपनी एक ही पेंशन पर गुजारा करना होगा। अभी तक एक सांसद को, यदि वह विधायक भी रहा हो और सरकारी कर्मचारी भी रहा हो तो तीन-तीन पेंशनें लेने की सुविधा बनी हुई है। हमारे सांसदों को तीन लाख 30 हजार रु. तो हर महिने वेतन के तौर पर मिलते ही हैं, उन्हें तरह-तरह की इतनी सुविधाएं भी मिलती हैं कि उन सबका हिसाब बाजार भाव से जोड़ा जाए तो उन पर होनेवाला सरकारी खर्च कम से कम 10 लाख रु. प्रति माह होता है। जबकि भारत के लगभग 100 करोड़ लोग 10 हजार रु. प्रति माह से भी कम में गुजारा करते हैं। हमारे वे सांसद और विधायक बिल्कुल भौंदू माने जाएंगे, जो सिर्फ अपने वेतन और भत्तों पर ही निर्भर होंगे। राजनीति में आनेवाला हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, उसके लिए यह सरकारी वेतन और भत्ते तो ऊँट के मुंह में जीरे के समान हैं। हमारी राजनीति का शुद्धिकरण तभी हो सकता है जबकि हमारे जन-प्रतिनिधि आचार्य कौटिल्य की सादगी का अनुकरण करें या यूनानी विद्वान प्लेटो के दार्शनिक सेवकों की तरह रहें। प्रधानमंत्री ने खुद को 'प्रधान जनसेवक' कहा है, जो बिल्कुल उचित है लेकिन हमारे नेता गण वास्तव में जनता के प्रधान मालिक बन बैठते हैं। उनकी लूट-पाट और उनकी अकड़ हमारे नौकरशाहों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक होती है। वे उनसे भी ज्यादा अकड़बाज और लुटेरे बनकर ठाठ करते हैं। संसदीय समिति को बधाई कि उसने अभी सांसदों की दुगुनी-तिगुनी पेंशन पर रोक लगाई है लेकिन यह काम अभी अधूरा ही है। उसे पहला काम तो यह करना चाहिए कि सांसदों को अपने वेतन और भत्ते खुद ही बढ़ाने के अधिकार को वह समाप्त करे। दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में यह अधिकार दूसरे संगठन को दिया गया है। इसके अलावा जरा यह भी सोचा जाए कि यदि कोई व्यक्ति पांच साल से कम समय तक संसद और विधायक रहे तो उसे पेंशन क्यों दी जाए? क्या सरकारी कर्मचारी और विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों को इस तरह पेंशन मिल जाती है? मेरी अपनी राय तो यह है कि सांसदों और विधायकों को कोई पेंशन नहीं लेनी चाहिए। इसके अलावा यदि विभिन्न राज्यों का हिसाब-किताब देखें तो वहां पेंशन के नाम पर लूट मची हुई है। कई राज्यों में जो विधायक कई बार चुने जाते हैं, उनकी पुरानी पेंशन में नई पेंशन भी जुड़ जाती है। पंजाब में अकाली दल के 11 बार विधायक रहे प्रकाशसिंह बादल को लगभग 6 लाख रु. प्रति माह पेंशन मिलती है। 'आप पार्टी' की मान सरकार इस प्रावधान पर रोक लगा रही है। इसके अलावा विधायकों के और भी कई मजे हैं। देश के सात राज्यों में विधायक लोगों की आय पर आयकर उनकी सरकारें भरती हैं। उन्हें भी सांसदों की तरह निवास, यात्राओं आदि की कई मुफ्त सुविधाएं मिली रहती हैं। जो सुविधाएं जन-सेवा के लिए जरुरी हैं, वे अवश्य दी जाएं लेकिन नेताओं की पेंशन, मोटी तनख्वाह और अनावश्यक सुविधाओं में यदि कटौती कर दी जाए तो हजारों करोड़ रु. की बचत हो सकती है, जिसका लाभ देश के वंचितों, गरीबों और पिछड़ों को पहुंचाया जा सकता है। आजकल देश के नेतागण अपने विज्ञापन छपाने और दिखाने पर अरबों-खरबों रु. खर्च कर रहे हैं। इस पर भी तुरंत पाबंदी लगनी चाहिए।

धूम्रपान के भयावह खतरे

(विश्व तम्बाकू निषेध दिवस विशेष)

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में पिछले कई दशकों में हुए अनेक अध्ययनों के आधार पर धूम्रपान को लेकर सर्वविदित तथ्य यही है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे व्यक्ति समझना ही नहीं चाहते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है।

भारत में तम्बाकू का सेवन करने वालों का सर्वेक्षण करने वाली संस्था 'टोबेको इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया' के अनुसार हमारे यहां लोग प्रतिवर्ष 950 करोड़ से ज्यादा सिगरेटें पी जाते हैं, जिनकी औसतन कीमत दो हजार करोड़ रुपये से भी अधिक आंकी गई है। धूम्रपान करने वालों द्वारा सालभर में सात हजार करोड़ से ज्यादा सिगरेटें फूंक दी जाती हैं। हर साल फूंकी जाने वाली इन्हीं सिगरेटों के धुएं से वातावरण भी कितना प्रदूषित होता है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि इस खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। हालांकि सिगरेटें महंगी होने के कारण भारत में बीड़ी का प्रचलन निम्न तथा मध्यमवर्गीय तबके में ज्यादा है और ऐसा अनुमान है कि देश में प्रतिवर्ष सौ अरब रुपये मूल्य से भी अधिक की बीड़ियों का सेवन किया जाता है। धूम्रपान की वजह से देश पर पड़ते आर्थिक बोझ की बात करें तो इससे भारत को प्रतिवर्ष 26 बिलियन डॉलर का बोझ उठाना पड़ता है। एक सरकारी अध्ययन के मुताबिक तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के इलाज पर सालभर में करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये खर्च हो जाते हैं।

करीब तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। 2019 में धूम्रपान के कारण दुनियाभर में 77 लाख लोगों की मौत हुई, जिनमें से 17 लाख मौतें इस्केमिक हार्ट डिजीज के कारण, 16 लाख सीपीओडी के कारण, 13 लाख ट्रैकियल, ब्रोंकस और फेफड़ों के कैंसर से तथा 10 लाख स्ट्रोक के कारण हुई। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। भारत में प्रतिदिन धूम्रपान से मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मुकाबले 20 गुना है जबकि एड्स से देश में जितनी मौतें 10 वर्ष में होती हैं, उतनी मौतें धूम्रपान की वजह से मात्र एक सप्ताह में ही हो जाती हैं। एक जानकारी के अनुसार देश में प्रतिदिन 3000 से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण होती है, जिनमें 10 फीसदी ऐसे होते हैं, जो स्वयं तो धूम्रपान नहीं करते लेकिन धूम्रपान करने वालों के निकट होते हैं।

विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान करने वालों को धूम्रपान न करने वालों की अपेक्षा फेफड़ों का कैसर होने की संभावना 15 गुना अधिक होती है। डब्ल्यूएचओ का स्पष्ट तौर पर कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए। 'मौत को खुला निमंत्रण' पुस्तक में बताया गया है कि सिगरेट के धुएं में पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि चार हजार से भी ज्यादा घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जो मानव शरीर को विभिन्न प्रकार से नुकसान पहुंचाते हैं। गर्भवती महिलाओं द्वारा धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रतिदिन बीस सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य के मुकाबले बीस फीसदी बढ़ जाती है जबकि बीस से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा पैंतीस फीसदी तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका तीस फीसदी बढ़ जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन एक पैकेट सिगरेट पीने वाला व्यक्ति अपने जीवन के आठ दिन कम कर लेता है।

बहरहाल, तमाम स्वास्थ्य विशेषज्ञों और शोधों का एक स्वर में यही कहना है कि धूम्रपान एक अत्यंत धीमा किन्तु प्राणघातक विष है, इसलिए स्वयं तो धूम्रपान से बचें ही, धूम्रपान के आदी लोगों को भी इस लत को छोड़ने के लिए प्रेरित करें। धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं।

सदाचार की परीक्षा

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके। वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, %पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है। वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो। फिर मैं अकेला कैसे हो सकता हूं? इस खरगोश की भोली आंखों में मुझे ईश्वर की उपस्थिति नजर आई। इसलिए मैं इसे मार नहीं पाया। युवराज की बात सुनकर गुरु सोमदेव ने उसे गले से लगा लिया और बोले, पुत्र, आज तुम सदाचार और प्रेम की परीक्षा में पास हो गए हो।

आठ सालों में किया आठ सौ सालों का काम, रखी आधुनिक भारत की नींव और दुनिया ने माना हमार लोहा

डॉ. दुर्गेश केसवानी

आजादी के बाद से ही हर प्रधानमंत्री स्वयं को आधुनिक भारत का शिल्पकार बताता रहा है, लेकिन पिछले आठ सालों में पीएम मोदी ने जो काम देश के लिए किया है, वह देश को आठ सौ सालों की लूट, निर्धनता और गरीबी से निकालकर उसे दुनिया के सबसे ताकतवर राष्ट्रों में लाकर खड़ा किया है। पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रमों पर यदि नजर डाली जाए तो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में दुनिया हमारी ओर आशा की नजरों से देखने लगी है। जहां भारत के पूर्व के प्रधानमंत्री दुनिया में होने वाली बैठकों में पिछली पंक्ति में खड़े दिखते थे। ये हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी का ही काम है, जो दुनिया के तमाम देश किसी भी फैसले को लेने से पहले भारत से सलाह जरूर लेते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में हाल ही में हुए एक कार्यक्रम में कहा था कि उनका मकसद जन कल्याणकारी योजनाओं को शत प्रतिशत जमीन पर उतारना है। इस मकसद में वे कामयाब हुए हैं। 28 अगस्त 2014 को देश की जनता को बैंकिंग से जोड़ने के लिए जन धन योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत अब तक 31 करोड़ से ज्यादा खाते खोले गए हैं। वहीं उज्जवला योजना के तहत महिलाओं को धुंआ मुक्त रसोई से आजादी दिलाने का काम मोदी जी ने किया है। इस योजना के तहत 8 करोड़ से ज्यादा घरेलू गैस सिलेंडर बांटे जाने हैं। केंद्रीय शहरी एवं आवास मंत्रालय की योजना प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 1 करोड़ से ज्यादा लोगों को पक्की छत दी जाने की योजना है। इस योजना के लागू होने से देश झुग्गी मुक्त होगा। लोगों को सर्वसुविधा युक्त घर मिलेंगे। यह योजना 2022 में पूरी हो जाने की उम्मीद है। इस योजना के तहत कच्चे मकान को पक्का करने में 2.5 लाख तक की मदद मिलती है। देश के हर व्यक्ति को अच्छा इलाज मिल सके इसके लिए आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की गई थी। इस योजना के तहत 5 लाख तक का इलाज मुफ्त मिलता है। इस योजना का लाभ 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत ने खुद को एक ऐसे देश के रूप में स्थापित किया है कि यदि दुश्मन देश की तरफ आंख उठाकर भी देखेगा तो उसे ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। उरी हमल के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हमले के बाद की गई एयर स्ट्राइक मोदी सरकार के ऐसे दो फैसले हैं। जिससे सरकार ने दुनिया को बता दिया कि यह पिछले जमाने का भारत नहीं बल्कि आधुनिक दुनिया का भारत है। उरी में सुरक्षाबलों के कैंप पर हमले के बाद 28 सितंबर 2016 को भारतीय सेना की स्पेशल फोर्सेस ने सर्जिकल स्ट्राइक करके पाक के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकियों के लांच पैड्स को तबाह कर दिया और 14 फरवरी 2019 में पुलवामा में आतंकी हमला हुआ था, जिसके जवाब में 26 फरवरी को एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। पीएम मोदी ने एक देश एक टैक्स लागू कर सारे देश में एक टैक्स सिस्टम लागू कर दिया। साल 2017 में मोदी सरकार ने तमाम टैक्सों को हटाकर गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी जीएसटी को लागू किया। इससे पूरे देश में एक टैक्स सिस्टम लागू हुआ। इस कानून के तहत यह तय कर दिया गया कि आधा जीएसटी केंद्र के हिस्से में और आधा राज्यों को जाएगा। वैश्विक महामारी कोरोना जब पूरी दुनिया में कहर ढा रही थी, तब मोदी सरकार ने अपने नागरिकों को इससे बचाव का टीका निःशुल्क लगाने का नियम बनाया। सरकार ने सिलसिलेवार तरीके से देश के लोगों को टीका लगावाया। दूसरी लहर में भले ही इस महामारी के लाखों लोगों की जान ली। लेकिन यह टीकाकरण का ही असर था अब देश में कोरोना को लेकर वैसा खतरा नहीं है। देश में अब तक 193 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं।

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के लिए हमेशा से धारा 370 को ही जिम्मेदार माना जाता था। मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 खत्म कर इतिहास रच दिया। भले ही यह निर्णय देश के एक राज्य से जुड़ा था, लेकिन इससे पूरे देश की जनता जुड़े थे। 2019 में सरकार ने यह अहम फैसला लिया। देश की आजादी के बाद से ही जम्मू कश्मीर को इस धारा के तहत विशेष दर्जा मिला हुआ था। जम्मू कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को समाप्त करने की मांग लंबे समय से हो रही थी, लेकिन कोई भी सरकार हिम्मत नहीं जुटा रही थी। प्रधानमंत्री मोदी के साहस के कारण इस काले कानून को हटाया जा सका। जिसके फलस्वरूप जम्मू कश्मीर और लद्दाख के रूप में दो नई यूनियन टेरिटरी भारत को मिलीं।

उपलब्धि : अब ओलम्पिक में स्वर्ण जीतना है निकहत जरीन का सपना

सूडोकु नवताल- 6087

★★★✯☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6086 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

योगेश कुमार गोयल

भारतीय खिलाड़ी विभिन्न खेल स्पर्धाओं में पिछले कुछ समय से अपने कौशल का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए लगातार सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं। पिछले दिनों बैडमिंटन का दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 'थॉमस कप' जीतकर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने बैडमिंटन के नए युग की शुरूआत का मार्ग प्रशस्त किया था और अब हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में महिला विश्व चैंपियनशिप में भारत की 25 वर्षीया निकहत जरीन ने 52 किलोग्राग वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर एक फिर साबित किया है कि भारतीय खिलाड़ी अब दुनिया में किसी से कम नहीं हैं। निकहत ने फ्लाईवेट फाइनल में थाईलैंड की प्रतिद्वंद्वी जितपोंग जुटामेंस के खिलाफ शानदार लड़ाई लड़ते हुए अपने 'गोल्डन पंच' से मुकाबले में 5-0 के साथ एकतरफा मैच जीता और भारत को बॉक्सिंग में विश्व चैंपियन बना दिया। भारत का विश्व चैंपियनशिप में यह 10वां स्वर्ण पदक है और मैरीकॉम, सरिता देवी, जेनी आरएल तथा लेख केसी के बाद निकहत विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली पांचवीं भारतीय महिला बन गई हैं। अब तक सर्वाधिक बार विश्व चैंपियनशिप जीतने का रिकॉर्ड मैरीकॉम के नाम है, जिन्होंने एक नहीं बल्कि कुल छह बार यह चैंपियनशिप जीती है। मैरीकॉम ने 2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018 में खिताब जीते थे जबकि सरिता देवी, जेनी आरएल और लेख केसी ने अपने-अपने भारवर्ग में 2006 की विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते थे।

2018 में मैरीकॉम द्वारा यह चैंपियनशिप जीतने के चार वर्ष बाद भारत स्वर्ण पदक हासिल करने में सफल हुआ है। चैंपियनशिप में भारत की ओर से 12 सदस्यीय टीम ने हिस्सा लिया था और निकहत मुकाबले के दौरान बेहतरीन फॉर्म में थी, जिन्होंने अपने तकनीकी कौशल का इस्तेमाल करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ने के लिए कोर्ट को अच्छी तरह से कवर किया। निकहत ने थाई मुक्केबाज की तुलना में कहीं अधिक मुक्के मारे। हालांकि दूसरे दौर से मुकाबले को जितपोंग जुटामेंस ने 3-2 से जीत लिया था लेकिन फाइनल राउंड में निकहत उस पर इतनी बुरी तरह से भारी पड़ी कि उन्होंने मुकाबला 5-0 से जीतकर पूरी दुनिया को अहसास करा दिया कि उनके मुक्कों में कितना दम है। सेमीफाइनल में भी निकहत ने ब्राजील की कैरोलिन डी अल्मेडा के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज की थी। इस चैंपियनशिप से पहले निकहत ने इसी साल फरवरी में स्ट्रेंडजा मेमोरियल में स्वर्ण पदक जीता था और वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनी थी।

स्मरण रहे कि निकहत जरीन वही भारतीय बॉक्सर हैं, जो कभी मैरीकॉम को अपना आदर्श मानती थी लेकिन अब वह उन्हीं मैरीकॉम की कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं, जिनके खिलाफ वह अपने हक के लिए लड़ाई भी लड़ चुकी हैं। दरअसल बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) का नियम था कि महिला और पुरुष दोनों ही वर्गों में स्वर्ण और रजत पदक विजेता खिलाड़ियों को ही ओलम्पिक क्वालीफायर में भेजा जाएगा। इसी नियम के तहत छह बार की विश्व चैंपियन मैरीकॉम को ओलम्पिक में बिना ट्रायल 51 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधि बनाया गया था। इसी कारण निकहत को ट्रायल में मैरीकॉम के खिलाफ उतरने भी नहीं दिया गया था। विवाद होने पर तत्कालीन समिति के चेयरमैन का कहना था कि निकहत को भविष्य के लिए सेव कर रहे हैं। हालांकि जब निकहत को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तत्कालीन खेलमंत्री किरण रिजिजू को पत्र लिखकर ट्रायल की मांग कर डाली, जिसके बाद मंत्रालय के दखल पर ट्रायल्स हुए लेकिन उसमें मैरीकॉम ने निकहत पर 9-1 से जीत हासिल की लेकिन दोनों के बीच तल्खी उस समय स्पष्ट देखी गई, जब मैच जीतने के बाद मैरीकॉम ने निकहत से हाथ भी नहीं मिलाया। 14 जून 1996 को तेलंगाना के निजामाबाद शहर में जन्मी निकहत जरीन का खेलों की शुरूआत से दुनिया के शीर्ष तक पहुंचने का सफर एक आम लड़की की भांति चुनौतियों और बाधाओं से भरा रहा। उन्होंने कम उम्र में ही एथलेटिक्स से अपनी प्रैक्टिस शुरू की थी लेकिन अचानक रूझान मुक्केबाजी की ओर हो गया। 13 साल की उम्र में अपने बॉक्सिंग कोच चाचा शमशामुद्दीन के मार्गदर्शन में निकहत ने बॉक्सिंग सीखना शुरू कर दिया। हालांकि निकहत की मां प्रवीण सुल्ताना बेटी की बॉक्सिंग में बढ़ती दिलचस्पी से खुश नहीं थी लेकिन पूर्व फुटबॉलर और क्रिकेटर रहे पिता मुहम्मद जमील अहमद उसे बॉक्सिंग के लिए प्रोत्साहित करते थे।

मोटापा कम करने के सामान्य उपाय

अरविन्द प्रेमचंद जैन

आयुर्वेद में ऐसे कई उपाय हैं, जो वजन कम करने के मामले में सभी लोगों के लिए सामान रूप से काम करते हैं।

वजन बढ़ना आजकल की सबसे बड़ी समस्या बन गया है। बढ़ता मोटापा न केवल आपकी सुंदरता को कम करता है बल्कि कई डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसी गंभीर बीमारियों का कारण भी बनता है। वजन कम करने के उपाय भी बहुत हैं लेकिन कोई भी तरीका बहुत जल्दी रिजल्ट नहीं दे सकता है। यही वजह है कि वजन कम करने के मामले धैर्य से काम लेना जरूरी है।

वजन कम करने के बहुत से तरीके हैं और सभी उपाय हर किसी के लिए एक तरह से काम नहीं करते हैं। यही वजह है कि अपने वजन, शरीर के आकार, बीमारी, समय और जगह के हिसाब से सही उपाय चुनना बहुत जरूरी है।

वजन कम करने के लिए एक नियमित दिन चर्या का पालन करना बहुत जरूरी है। इससे न केवल फिट रहने बल्कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में भी मदद मिलती है। आयुर्वेद में ऐसे कई उपाय हैं, जो वजन कम करने के मामले में सभी लोगों के लिए सामान रूप से काम करते हैं। दीक्षा भावसार सर्केडियन रिदम फास्टिंग यानी 12 घंटे के अंतराल से भोजन करना इसका मतलब है कि आप 12 घंटे खाना खाते हैं और बाकी 12 घंटे उपवास करते हैं। जैसे, आप सुबह 7-8 बजे ब्रेकफास्ट करते हैं और डिनर 7-8 बजे तक। आप रात के खाने से लेकर अगले दिन के नाश्ते तक पानी के अलावा कुछ भी नहीं खाते-पीते, सिर्फ उपवास करते हैं यह वैज्ञानिक और धार्मिक पक्ष हैं .जैन दर्शन में रात्रि भोजन का त्याग का बहुत महत्व हैं यह अहिंसात्मक जीवन पद्धति का घोतक हैं . अपने खाने को बदलने और इसे बेहद कम कैलोरी वाला बनाने के बजाय आप सर्कैडियन रिदम फास्टिंग का पालन कर सकते हैं। इसका मतलब होता है कि आप दिन के उजाले के दौरान, सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच खा सकते हैं। सूर्योदय से सूर्यास्त तक भोजन करने का अर्थ है कि आप 12 घंटे भोजन करते हैं और अन्य 12 घंटे उपवास करते हैं। जैसे, आप सुबह 7-8 बजे नाश्ता करते हैं और रात का भोजन 7-8 बजे तक करते हैं। आप रात के खाने से लेकर अगले दिन के नाश्ते तक पानी के अलावा कुछ भी नहीं खाते-पीते उपवास करते हैं। यह आपके शरीर को आपके द्वारा खाए जाने वाली हर चीज को पचाने में मदद करता है और वह सब कुछ बाहर निकाल देता है जो अनावश्यक है।

शादी में आई महिला का अपहरण, 3 माह में 9 लोगों ने किया दुष्कर्म, मामला हुआ दर्ज

मुरैना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी राजपूत गार्डन से 3 माह पहले अपहरण जोरा की एक विवाहित महिला को आरोपियों ने कई जगह बेचा और उसके बाद 9 लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया किसी तरह महिला रविवार की देर रात्रि अपने पति के साथ सिविल लाइन थाने पहुंची और आपबीती सुनाई जिस पर से पुलिस ने नामजद आरोपियों के विरुद्ध अपहरण बलात्कार सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

बताया गया है कि जौरा थाना क्षेत्र के कुंवरपुरा गांव की 30 साल की महिला 18 फरवरी को मुरैना एमएस रोड स्थित राजपूत गार्डन में शादी समारोह में शामिल होने के लिए आई थी, विदित हो कि लहर गांव के युवक जयवीर गुर्जर ने महिला को अपने यहां शादी में बुलाया था और 18 फरवरी की रात में ही मुरैना की राठौर कॉलोनी निवासी लवकुश और उसके दो दोस्तों ने मिलकर उसका अपहरण कर लिया। तीनों आरोपियों ने उसे भिंड जिले की गोहद तहसील में महिला को बेच दिया, जहां 8 दिन तक उसे बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद उसे लहर गांव के कुछ युवकों को बेचा गया तथा लहर गांव के कुछ युवकों ने हाईवे किनारे किसी मकान में ले जाकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। महिला के अनुसार हरेंद्र ने महिला को बंधक बनाकर करीब ढाई महीने से ज्यादा अपने घर में काम करवाया। 4 दिन पहले महिला हरेंद्र की जेब से 1000 रुपए निकाल कर वहां से भागी और घर पहुंची तथा अपने परिजनों को आप बीती सुनाई। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे हैरानी बात करने वाली बात यह है कि पीड़िता के पति ने अपनी पत्नी के शादी समारोह से गायब हो जाने की भी शिकायत थाने में 3 महीने तक नहीं दर्ज कराई। महिला की पहले भी दो बार शादी हो चुकी है। कुंवरपुरा में उसकी तीसरी शादी जिस व्यक्ति से हुई थी, उसने 40 हजार रुपए रुपए में खरीदा है, इसलिए महिला के पति ने कोई शिकायत नहीं की। रविवार की देर रात पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

धर्म की पाठशाला: परेड चौराहा स्थित जैन मंदिरों में लगभग एक माह से दी जा रही बच्चों को संस्कारवान बनाने की शिक्षा

अंबाह। स्कूलों के ग्रीष्मकालीन अवकाश में जैन समाज के बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए समाज की बालिकाओं द्वारा आचार्य विनम्र सागर जी महाराज की प्रेरणा से परेड चौराहा स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में एक माह से जैन पाठशाला का सफल आयोजन किया जा रहा है। यह पाठशाला शाम 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक संचालित होती है, जिसमें लगभग 150 छात्र-छात्रायें धार्मिक शिक्षा लेकर संस्कारित हो रहे है। पाठशाला के संबंध में जानकारी देते हुए बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने वाली कुमारी राजुल जैन ने बताया कि यहां आने वाले बच्चे भक्तांमर, छहढाला, दर्शनपाठ, पूजन एवं अनेकों स्तुतियों आदि के माध्यम से जिनवाणी को कंठस्थ कर रहे है। राजुल जैन के अनुसार वर्तमान समय में भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के प्रकोप से कोई भी अछूता नहीं है ऐसे में बच्चो एवं युवाओ में धार्मिक संस्कारो का बीजारोपण चुनौती का कार्य है, जिसके चलते हमारे द्वारा जिनधर्म प्रभावना हेतु इनदिनों जैन पाठशाला का संचालन किया जा रहा है, जिसमे धर्म ग्रंथों के माध्यम से धर्म के विभिन्न विषयों का शिक्षण कराया जा रहा है। खासतौर पर पौराणिक कथाओं, महान पुरुष के जीवन चरित्र को स्क्रीन पर दिखाकर बच्चो में धर्म के प्रति रूचि उत्पन्न की जा रही है। हमें विश्वास है कि हमारा यह लघु प्रयास सभी के सहयोग से वटवृक्ष के रूप में फैलकर जिनवाणी के प्रचार प्रसार के उद्देश्य की पूर्ति में सफल होगा। इस पाठशाला में कुमारी राजुल जैन, राखी जैन,रागिनी जैन, दीप्ति जैन,आँशी जैन, श्रेया जैन,प्रज्ञा जैन, तनु जैन, युवी जैन, पायल जैन, वंशिका जैन, अनुष्का जैन,खुसी जैन, आकाश जैन, हर्ष जैन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बच्चों को प्रोत्साहित करने किया जाता है पुरस्कार वितरण

बच्चों की पाठशाला में धार्मिक शिक्षा के प्रति बच्चों को प्रोत्साहित करने सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाते हैं, इसके साथ ही बच्चों को प्रातः काल में पूजन करना एवं अन्य धार्मिक क्रियाएं करने की शिक्षा भी दी जाती है। इसके लिए बच्चों को भारत की पुरातन पोशाक से परिचित कराने के लिए धोती एवं दुपट्टा पहनना भी सिखाया जाता है।

सुहागिनों ने वटवृक्ष की पूजा कर की पति की दीर्घायु की कामना

मुरैना। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सुहागिन महिलाओं ने ज्येष्ठ मास की अमावस्या को वट सावित्री व्रत रखा। इस अवसर पर सुहागिनों ने वटवृक्ष की पूजा कर अपने पति की दीर्घायु की कामना की। कहा जाता है कि वटवृक्ष की जड़ों में ब्रह्मा, तने में भगवान विष्णु व डालियों व पत्तियों में भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है। इस व्रत में महिलाएं वट वृक्ष की पूजा करती हैं व सती सावित्री की कथा सुनने व वाचन करने से सौभाग्यवती महिलाओं की अखंड सौभाग्य की कामना पूरी होती है। वट सावित्री अमावस्या के दिन वट वृक्ष का पूजन-अर्चन और व्रत करने से सौभाग्यवती महिलाओं की मनोकामना पूर्ण होती है और उनका सौभाग्य अखंड रहता है। सावित्री के पतिव्रता धर्म की कथा का सार यह है कि एकनिष्ठ पतिपरायणा स्त्रियां अपने पति को सभी दुःख और कष्टों से दूर रखने में समर्थ होती है। जिस प्रकार पतिव्रता धर्म के बल से ही सावित्री ने अपने पति सत्यवान को यमराज के बंधन से छुड़ा लिया था। इतना ही नहीं खोया हुआ राज्य तथा अंधे सास-ससुर की नेत्र ज्योति भी वापस दिला दी। उस समय से सुहागिनों द्वारा इस वृत का पूरी निष्ठा के साथ पालन किया जा रहा है।

गिट्टी के विवाद पर गोली चलाई, बाल-बाल बचा फरियादी

मुरैना। सिटी कोतवाली के अंतर्गत पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित लक्ष्मी कॉलोनी में सोमवार की सुबह पड़ोसी ने अपने पड़ोसी पर बंदूक से गोली चला दी, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर से मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी जागेश परमार निवासी लक्ष्मी कॉलोनी हाउसिंग बोर्ड अपना मकान बनवा रहा था तथा गिट्टी सड़क पर डाली थी। वहीं से आरोपी धर्मेंद्र दांतरे निवासी लक्ष्मी कॉलोनी गुजरा और जागेश से बोला गिट्टी हटा दे नहीं तो मैं फैलाता हूं।

गौ, गंगा, गीता, गायत्री और गालव ऋषि को संपूर्ण भारत में पूजा जाएगा: स्वामी जी

जौरा। हिंदू सनातन संस्कृति में गौ, गंगा, गीता, गायत्री का विशेष महत्व है। इनके पूजन से मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है और प्राणी मात्र को सुख और समृद्धि प्राप्त होती है। यह बात महामंडलेश्वर अनंत श्री विभूषित स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने अपने शिष्यों एवं संपूर्ण सनातन धर्म प्रेमियों कही।

स्वामी जी ने कहा कि हिंदू संस्कृति में ज्येष्ठ दशहरा अर्थात ज्येष्ठ मास की दसवीं तिथि विशेष महत्व की तिथि है क्योंकि इस तिथि को ही पृथ्वी पर पापनाशिनी मानव को अंतःकरण और शारीरिक रूप से स्वस्थ और शुद्धिकरण करने वाली मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था। आज ही के दिन आदि शक्ति, वेदमाता, देव माता, विश्वमाता, शक्ति की अधिष्ठात्री माँ गायत्री का प्रकट दिवस भी है माँ गायत्री को सिद्ध करने वाले और प्राणी मात्र के कल्याण के लिए वर्षों तक साधना कर माँ गायत्री को सिद्ध करने वाले महर्षि गालव का प्राकत्य जेठ दशहरा के दिन ही हुआ था। जिस प्रकार मां गायत्री साक्षात कलयुग की कामधेनु है, ठीक उसी प्रकार महर्षि गालव भी सहज ही प्राणी मात्र पर कृपा करने वाले हैं। अतः संपूर्ण विश्व के कल्याण हेतु गंगा दशहरा अर्थात ज्येष्ठ दशहरा के दिन संपूर्ण भारत वर्ष में गौ गंगा, गीता गायत्री और महर्षि गालव का पूजन किया जाएगा। गौरतलब बात यह है कि गालव पूर्व त्यागी ब्राह्मण समाज 45 सी क्षेत्र जौरा द्वारा गौ, गीता, गंगा, गायत्री और महर्षि गालव के पूजन अर्चन हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसका संयोजक निकेश त्यागी को तथा सहयोगी के रुप में एचएल हायर सेकेंडरी स्कूल जौरा एवं एचएल बचपन स्कूल जौरा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोजन के संयोजक नीकेराम त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि 9 जून को सायंकाल एक चल समारोह का आयोजन जौरा नगर की सीमा में किया जाएगा, जिसमें मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद देने के लिए महामंडलेश्वर स्वामी पांचमानंद जी महाराज शोभायात्रा में संपूर्ण समय रथ पर विराजमान रहेंगे तथा इस अवसर पर प्रातः काल घर-घर में गौ गीता, गंगा, गायत्री और महर्षि गालव का पूजन एवं गायत्री हवन यज्ञ करने का आव्हान किया गया है।

नरोत्तम जाटव को मिली पक्के छत की छांव

मुरैना। जो गरीब कभी अपने कच्चे मकान को भी ठीक-ठाक करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते थे, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के आवास मिले हैं। नगर निगम मुरैना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 47 प्रेमनगर निवासी नरोत्तम पुत्र मोतीराम जाटव को प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के मकान की छत की छांव मिली है। आवास योजना के लाभ बताते हुए नरोत्तम जाटव ने कहा कि मेरे पास टूटा-फूटा आवास था। बरसात में परिवार को पानी से बचाना बहुत कठिन होता था। सांप-बिच्छू और जहरीले कीडों का भय बना रहता था। ऐसे में मुझे प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी हुई। मैंने नगर निगम के टाउनहॉल में जाकर आवेदन दिया। आवास मंजूर होते ही योजना की पहली किश्त से घर का निर्माण शुरू कर दिया। मुझे तीन किश्तों में दो लाख 50 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई। समय पर राशि मिल जाने से मेरा पक्का मकान लगभग 8 माह में तैयार हो गया। मैंने घर में स्वच्छ शौचालय का भी निर्माण करा लिया है। अब कोई भी मौसम हो मेरा परिवार पक्के आवास में पूरी सुरक्षा के साथ रहता है। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद देता हूं। जिन्होंने हम जैसे गरीबों के लिये प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना का क्रियान्वयन किया।

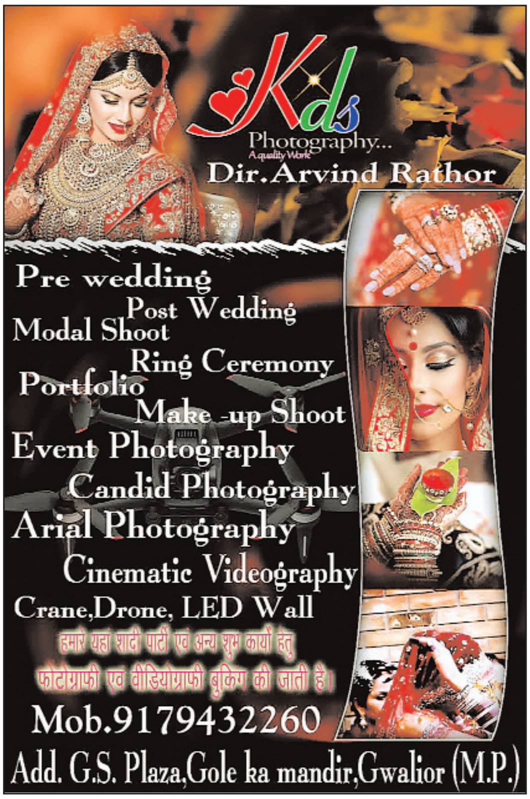

चाइल्ड लाइन ने किया नाइट एक्टिविटी कार्यक्रम का आयोजन

मुरैना। चाइल्ड लाइन मुरैना 1098 द्वारा नाइट एक्टिविटी कार्यक्रम का आयोजन सहराना कॉलोनी पर किया गया, जिसमें टीम सदस्य धारा सिंह, राकेश कुमार द्वारा आमजन को चाइल्ड लाइन नंबर 1098 के बारे में बिस्तार से बताया।

टीम सदस्य धारा सिंह द्वारा बताया गया कि बच्चों को किसी भी मुसीबत में होने पर तुरंत चाइल्ड लाइन टॉल फ्री नंबर 1098 पर फोन लगाकर मदद लेनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में भी विस्तारपूर्वक समझाते हुए कहा कि कोई अजनबी व्यक्ति टच करता है तो उससे दूर से बात करने के लिए कहें, अगर वह नहीं मानता है तो जोर से चिल्लाए और आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाए। चाइल्ड लाइन टीम सदस्य राकेश कुमार ने कहा कि अगर बच्चे किसी मुसीबत में हो तो चाइल्ड लाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर बेझिझक शिकायत कर सकते हैं। इसमें शिकायतकर्ता की पहचान एवं शिकायत करने वाले का मोबाइल का नंबर गोपनीय रखा जाता है। अगर कोई बच्चा अनाथ व बेसहारा है, किसी के द्वारा प्रताड़ित किया या किसी बच्चे का बाल विवाह किया जा रहा हो उसके बारे में आप चाइल्ड लाइन नंबर 1098 पर कभी भी बता सकते है, यह नंबर 24 घंटे काम करता है।

जिला कांग्रेस के नेतृत्व में नगर निगम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर गंदी कीचड़ के पानी से भरी बोतल देकर नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेसियों ने बताया कि नगर निगम द्वारा लापरवाही एवं मनमानी वरती जा रही है, जैसे शहर में जगह-जगह लगे हुए कचरे के ढेर, सही तरीके से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन ना होना, शहर के कई सारे भागों में जलभराव की समस्या, कई वार्डो में पानी पाइप लाइनों के फटने के कारण घरों में आ रहे कचरे व गंदे पानी के कारण लोगों में महामारी फैल रही है। इसके अलावा एबी रोड बीटीआई के सामने जलभराव के कारण सड़क खोदने की वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं जिससे जनहानि होने की आशंका बनी हुई है, वार्डो में स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हुई है, कई वार्डो में सीवर लाइन खुद ही पड़ी है जिस वजह से आमजन को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में कांग्रेस जिला कार्यकारी अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल, मानवेंद्र गांधी, राम लखन दंडोतिया, जसवीर गुर्जर, अजीत सिकरवार, नजमा खान, शोभा शिवहरे, शशि सक्सेना, असगरी खान, सिराज खान, नरोत्तम माहौर, अमर सिंह मौर्य, हरीश पाठक, डॉ राकेश जाटव, अजय यादव, आशीष मित्तल, सौरव सोलंकी, राजेश राठौर, राजेश कथूरिया, विशम्भर प्रजापति, रामदास राठौर एवं सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय इतिहास एवं शास्त्रों में राज बलि की कहानी अति महत्वपूर्ण : ममता किशोरी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । अटेर विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थल श्री श्री 1008 केशवानंद महाराज के सानिध्य में चल रही ग्राम रजपुरा में श्रीमद् भागवत कथा श्रीमद् भागवत कथा में सरल कथा प्रवक्ता देवी ममता किशोरी दीदी ने संपूर्ण श्रीमद् भागवत कथा का स्मरण कराते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा भवसागर है और यह जिस पर संतों की कृपा होती है भगवान उसी व्यक्ति के मन में स्थापित हो जाते हैं हमें संकल्प और विचार लेकर कथा का स्मरण करना चाहिए तभी हमारे जीवन का भगवान के चरणों में समर्पित हो जाता है द्य राम जन्म के साथ चारों पुत्रों का जन्म हुआ और उनका नामकरण के साथ-साथ राजा बलि की कथा का वर्णन कियाद्य राम जन्म में महिलाओं ने जमकर बधाइयां और नृत्य पंडाल में कर समा बांध रखाद्य

सरल कथा प्रवक्ता देवी ममता किशोरी दीदी ने श्री संगीतमय भागवत कथा के चतुर्थ दिवस में उन्होंने सूर्यवंश , और चंद्रवंश कथा का वर्णन करते हुए कहा कि रामचरितमानस भगवान राम के चरित्र का दर्शन कराता है व्यक्ति का चरित्र शुद्ध अशुद्ध रण होगा तभी ही भगवान की प्राप्ति होगी हमें सबसे पहले संकल्प लेकर साफ करना चाहिए तभी ही भगवान की प्राप्ति होगी द्य

श्रीमद् भागवत कथा मेंराजा बलि ~ असुरों के राजा बलि या बाली की चर्चा पुराणों में बहुत होती है। वह अपार शक्तियों का स्वामी लेकिन धर्मात्मा था। दान-पुण्य करने में वह कभी पीछे नहीं रहता था। उसकी सबसे बड़ी खामी यह थी कि उसे अपनीबी शक्तियों पर घमंड था और वह खुद को ईश्वर के समकक्ष मानता था और वह देवताओं का घोर विरोधी था। भारतीय और हिन्दू इतिहास में राजा बलि की कहानी सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है।ऐसा माना जाता है प्राचीनकाल में देवी और देवता हिमालय क्षेत्र में रहते थे। हिमालय में ही देवराज इंद्र का एक क्षेत्र था जिसमें नंदन कानन वन था। इंद्र के इस क्षेत्र के पास ही गंधर्वों का क्षेत्र था। यहीं पर कैलाश पर्वत पर भगवान शिव का निवास था। पहले धरती पर बर्फ की अधिकता थी और अधिकतर हिस्सा जलमग्न था। मानव गुफाओं में रहता था और सुर और असुर अपनी शक्तियों के बल पर संपूर्ण धरती पर विचरण करते थे। नागलोक का विस्तार दूर-दूर तक था और समुद्र में विचित्र-विचित्र किस्म के प्राणियों का जन्म हो चुका थाप्रारंभिक जातियां- सुर और असुर कौन थे?

आप किसकी तरफ हैं ~ सुर या असुर?प्राचीनकाल में सुर और असुरों का ही राज्य था। सुर को देवता और असुरों को दैत्य कहा जाता था। दानवों और राक्षसों की प्रजाति अलग होती थी। गंधर्व, यक्ष और किन्नर भी होते थे। असुरों के पुरोहित शुक्राचार्य भगवान शिव के भक्त और सुरों के पुरोहित बृहस्पति भगवान विष्णु के भक्त थे। इससे पहले भृगु और अंगिरा ऋषि असुर और देव के पुरोहित पद पर थे। सुर और असुरों में साम्राज्य, शक्ति, प्रतिष्ठा और सम्मान की लड़ाई चलती रहती थी। दुनिया में दो ही तरह के धर्मों में प्राचीनकाल से झगड़ा होता आया है। एक वे लोग जो देवताओं के गुरु बृहस्पति के धर्म को मानते हैं और दूसरे वे लोग जो दैत्यों (असुरों) के गुरु शुक्राचार्य के धर्म को मानते आए हैं।

राजा बलि के पूर्व जन्म की कथा ~ पौराणिक कथाओं अनुसार राजा बलि अपने पूर्व जन्म में एक जुआरी थे। एक जुए से उन्हें कुछ धन मिला। उस धन से इन्होंने अपनी प्रिय वेश्या के लिए एक हार खरीदा। बहुत खुशी-खुशी ये हार लेकर वेश्या के घर जाने लगा। लेकिन रास्ते में ही इनको मृत्यु ने घेर लिया। यह

मरने ही वाला था कि इसने सोचा कि अब ये हार वेश्या तक तो पहुंचा नहीं पाऊंगा, चलो इसे शिव को ही अर्पण कर दूं। ऐसा सोचकर उसने हार शिव को अर्पण कर दिया और मृत्यु को प्राप्त हुआ।

मरकर वह यमराज के समक्ष उपस्?थित हुआ। चित्रगुप्त ने उसके कर्मों का लेखा-जोखा देखकर कहा कि इसने तो पाप ही पाप किए हैं, लेकिन मरते-समय इसने जुए के पैसे से वेश्या के लिए खरीदा हार 'शिवार्पण' कर दिया है। ये ही एकमात्र इसका पुण्य है। चित्रगुप्त की बात सुनकर यमराज ने उससे (जुआरी बलि से) पूछा- रे पापी, तू ही बता पहले पाप का फल भोगोगे कि पुण्य का। जुआरी ने कहा कि पाप तो बहुत हैं, पहले पुण्य का फल दे दो। उस पुण्य के बदले उसे दो घड़ी के लिए इंद्र बनाया गया।इंद्र बनने पर वह अप्सराओं के नृत्य और सुरापान का आनंद लेने लगा। तभी नारदजी आते हैं, उसे देखकर हंसते हैं और एक बात बोलते हैं कि अगर इस बात में संदेह हो कि स्वर्ग-नर्क हैं तब भी सत्कर्म तो कर ही लेना चाहिए वर्ना अगर ये नहीं हुए तो आस्तिक का कुछ नहीं बिगड़ेगा, पर हुए तो नास्तिक जरूर मारा जाएगा। यह बात सुनते ही उस जुआरी को होश आ गया। उसने दो घड़ी में ऐरावत, नंदन वन समेत पूरा इन्द्रलोक दान कर दिया। इसके प्रताप से वह पापों से मुक्त हो इंद्र बना और बाद में राजा बलि हुआऐसे हुई बलि की उत्पत्ति ~ कश्यप ऋषि की पत्नी दिति के दो प्रमुख पुत्र हिरण्यकश्यप और हिरण्याक्ष थे। हिरण्यकश्यप के 4 पुत्र थे- अनुहल्लाद, हल्लाद, भक्त प्रह्लाद और संहल्लाद। प्रह्लाद के कुल में विरोचन के पुत्र राजा बलि का जन्म हुआ।

जब हिरण्यकश्यप और हिरण्याक्ष का जन्म हुआ था, तब धरती पर अंधकार छा गया था। देवी और देवताओं के साथ ही ऋषियों ने घोषणा की थी कि धरती पर अब शैतानी शक्ति का उदय हो गया है। सभी ने इसके प्रति चिंता व्यक्ति की थी। राजा बलि का राज्य ~ राजा बलि का राज्य संपूर्ण दक्षिण भारत में था। उन्होंने महाबलीपुरम को अपनी राजधानी बनाया था। आज भी केरल में ओणम का पर्व राजा बलि की याद में ही मनाया जाता है। राजा बली को केरल में 'मावेली' कहा जाता है। यह संस्कृत शब्द 'महाबली' का तद्भव रूप है। इसे कालांतर में 'बलि' लिखा गया जिसकी वर्तनी सही नहीं जान पड़ती।

देश भर में कई ऐसे समुदाय हैं जो राजा बली के राज्य में प्रजाओं की सुख-समृद्धि को स्मरण करते हैं और राजा बली के लौटने की कामना करते हैं। केरल में मनाया जाने वाला विश्वप्रसिद्ध ओणम त्योहार महाबली की स्मृति में मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि प्रसिद्ध पौराणिक पात्र वृत्र (प्रथम मेघ) के वंशज हिरण्यकश्यप का पुत्र प्रह्लाद था। प्रह्लाद के पुत्र विरोचन का पुत्र महाबली था।

माना जाता है कि मोटे तौर पर वृत्र या मेघ ऋषि के वंशजों को मेघवंशी कहा जाता हैं। पौराणिक कथाओं में जिन मानव समूहों को असुर, दैत्य, राक्षस, नाग, आदि कहा गया वे सिंधु घाटी सभ्यता के मूल निवासी थे और मेघवंशी थे। आर्यों और अन्य के साथ पृथ्वी (भूमि) पर अधिकार हेतु संघर्ष में वे पराजित हुए।

अश्वमेध यज्ञ ~ राजा बलि ने विश्वविजय की सोचकर अश्वमेध यज्ञ किया और इस यज्ञ के चलते उसकी प्रसिद्धि चारों ओर फैलने लगी। अग्निहोत्र सहित उसने 98 यज्ञ संपन्न कराए थे और इस तरह उसके राज्य और शक्ति का विस्तार होता ही जा रहा था, तब उसने इंद्र के राज्य पर चढ़ाई करने की सोची।

इस तरह राजा बलि ने 99वें यज्ञ की घोषणा की और सभी राज्यों और नगरवासियों को निमंत्रण भेजा।

माना जाता है कि देवता और असुरों की लड़ाई जम्बूद्वीप के इलावर्त क्षे?त्र में 12 बार हुई। देवताओं की ओर गंधर्व और यक्ष होते थे, तो दैत्यों की ओर दानव और राक्षस। अंतिम बार हिरण्यकशिपु के पुत्र प्रहलाद और उनके पुत्र राजा बलि के साथ इन्द्र का युद्ध हुआ और देवता हार गए, तब संपूर्ण जम्बूद्वीप पर असुरों का राज हो गया।

समुद्र मंथन ~ जब इन्द्र दैत्यों के राजा बलि से युद्ध में हार गए, तब हताश और निराश हुए देवता ब्रह्माजी को साथ लेकर श्रीहरि विष्णु के आश्रय में गए और उनसे अपना स्वर्गलोक वापस पाने के लिए प्रार्थना करने लगे।

श्रीहरि ने कहा कि आप सभी देवतागण दैत्यों से सुलह कर लें और उनका सहयोग पाकर मदरांचल को मथानी तथा वासुकि नाग को रस्सी बनाकर क्षीरसागर का मंथन करें। समुद्र मंथन से जो अमृत प्राप्त होगा उसे पिलाकर मैं आप सभी देवताओं को अजर-अमर कर दूंगा तत्पश्चात ही देवता, दैत्यों का विनाश करके पुनः स्वर्ग का आधिपत्य पा सकेंगे।

देवताओं के राजा इन्द्र दैत्यों के राजा बलि के पास गए और उनके समक्ष समुद्र मंथन का प्रस्ताव रखा और अमृत की बात बताई। अमृत के लालच में आकर दैत्य ने देवताओं का साथ देने का वचन दिया। देवताओं और दैत्यों ने अपनी पूरी शक्ति लगाकर मदरांचल पर्वत को उठाकर समुद्र तट पर लेकर जाने की चेष्टा की लेकिन नहीं उठा पाए तब श्रीहरि ने उसे उठाकर समुद्र में रख दिया।

मदरांचल को मथानी एवं वासुकि नाग की रस्सी बनाकर समुद्र मंथन का शुभ कार्य आरंभ हुआ। श्रीविष्णु की नजर मथानी पर पड़ी, जो कि अंदर की ओर धंसती चली जा रही थी। यह देखकर उन्होंने स्वयं कच्छप बनाकर अपनी पीठ पर मदरांचल पर्वत को रख लिया।

तत्पश्चात समुद्र मंथन से लक्ष्मी, कौस्तुभ, पारिजात, सुरा, धन्वंतरि, चंद्रमा, पुष्पक, ऐरावत, पाञ्चजन्य, शंख, रम्भा, कामधेनु, उच्चैःश्रवा और अंत में अमृत कुंभ निकला जिसे लेकर धन्वन्तरिजी आए। उनके हाथों से अमृत कलश छीनकर दैत्य भागने लगे ताकि देवताओं से पूर्व अमृतपान करके वे अमर हो

जाएं। दैत्यों के बीच कलश के लिए झगड़ा शुरू हो गया और देवता हताश खड़े थे।

श्रीविष्णु अति सुंदर नारी का रूप धारण करके देवता और दैत्यों के बीच पहुंच गए और उन्होंने अमृत को समान रूप से बांटने का प्रस्ताव रखा। दैत्यों ने मोहित होकर अमृत का कलश श्रीविष्णु को सौंप दिया। मोहिनी रूपधारी विष्णु ने कहा कि मैं जैसे भी विभाजन का कार्य करूं, चाहे वह उचित हो या अनुचित, तुम लोग बीच में बाधा उत्पन्न न करने का वचन दो तभी मैं इस काम को करूंगी।

सभी ने मोहिनी रूपी भगवान की बात मान ली। देवता और दैत्य अलग-अलग पंक्तियों में बैठ गए। मोहिनी रूप धारण करके विष्णु ने छल से सारा अमृत देवताओं को पिला दिया, लेकिन इससे दैत्यों में भारी आक्रोश फैल गया ।

इंद्र-बलि युद्ध ~ समुद्र मंथन से प्राप्त जब अमृत पीकर देवता अमर हो गए, तब फिर से देवासुर संग्राम छिड़ा और इंद्र द्वारा वज्राहत होने पर बलि की मृत्यु हो गई। ऐसे में तुरंत ही शुक्राचार्य के मंत्रबल से वह पुन~ जीवित हो गया। लेकिन उसके हाथ से इंद्रलोक का बहुत बड़ा क्षेत्र जाता रहा और फिर से देवताओं का साम्राज्य स्थापित हो गया ।

पुन~ देवताओं को हराया ~ राजा बलि ने देवताओं द्वारा हार जाने के बाद अपनी शक्ति एकत्रित की और तपस्या के बदल पर वह फिर से शक्तिशाली बना। तब उसने देवताओं से बदला लेने की ठानी। इसके लिए उसने एक बार फिर अश्वमेध यज्ञ किया। यह उसका सौवां यज्ञ था। उसने अपनी संपूर्ण शक्ति के साथ एक बार फिर इंद्र के राज्य पर कब्जा कर लिया।

एक बार फिर देवताओं पर संकट आ गया था। बगैर अमृत पीकर भी राजा बलि इतना मायावी बन बैठा था कि उसको मारने की किसी में शक्ति नहीं

वामन अवतार ~ वामन ऋषि कश्यप तथा उनकी पत्नी अदिति के पुत्र थे। वे आदित्यों में बारहवें थे। ऐसी मान्यता है कि वह इन्द्र के छोटे भाई थे और राजा बलि के सौतेले भाई। विष्णु ने इसी रूप में जन्म लिया था।

देवता बलि को नष्ट करने में असमर्थ थे। बलि ने देवताओं को यज्ञ करने जितनी भूमि ही दे रखी थी। सभी देवता अमर होने के बावजूद उसके खौफ के चलते छिपते रहते थे। तब सभी देवता विष्णु की शरण में गए। विष्णु ने कहा कि वह भी (बलि भी) उनका भक्त है, फिर भी वे कोई युक्ति सोचेंगे।

तब विष्णु ने अदिति के यहां जन्म लिया और एक दिन जब बलि यज्ञ की योजना बना रहा था तब वे ब्राह्मण-वेश में वहां दान लेने पहुंच गए। उन्हें देखते ही शुक्राचार्य उन्हें पहचान गए। शुक्र ने उन्हें देखते ही बलि से कहा कि वे विष्णु हैं। मुझसे पूछे बिना कोई भी वस्तु उन्हें दान मत करना। लेकिन बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं सुनी और वामन के दान मांगने पर उनको तीन पग भूमि दान में दे दी। जब जल छोड़कर सब दान कर दिया गया, तब ब्राह्मण वेश में वामन भगवान ने अपना विराट रूप दिखा दिया।

एक पग में भूमंडल नाप लिया। दूसरे में स्वर्ग और तीसरे के लिए बलि से पूछा कि तीसरा पग कहां रखूं? पूछने पर बलि ने मुस्कराकर कहा- इसमें तो कमी आपके ही संसार बनाने की हुई, मैं क्या करूं भगवान? अब तो मेरा सिर ही बचा है। इस प्रकार विष्णु ने उसके सिर पर तीसरा पैर रख दिया। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर विष्णु ने उस पाताल में रसातल का कलयुग के अंत तक राजा बने रहने का वरदान दे दिया। तब बलि ने विष्णु से एक और वरदान मांगा ।

विष्णु को बनाया रक्षक ~ राजा बलि ने कहा कि भगवान यदि आप मुझे पाताल लोक का राजा बना ही रहे हैं तो मुझे वरदान ?दीजिए कि मेरा साम्राज्य शत्रुओं के प्रपंचों से बचा रहे और आप मेरे साथ रहें। अपने भक्त के अनुरोध पर भगवान विष्णु ने राजा बलि के निवास में रहने का संकल्प लिया।

पातालपुरी में राजा बलि के राज्य में आठों प्रहर भगवान विष्णु सशरीर उपस्थित रह उनकी रक्षा करने लगे और इस तरह बलि निश्चिंत होकर सोता था और संपूर्ण पातालपुरी में शुक्राचार्य के साथ रहकर एक नए धर्म राज्य की व्यवस्था संचालित करता था।

बलि फिर छला गया, इधर वैकुण्ठ में सभी देवी-देवता समेत लक्ष्मीजी अत्यंत चिंतित हो गईं। तब इस कठिन काल में नारदजी ने माता लक्ष्मी को एक युक्ति बताई। उन्होंने कहा कि एक रक्षासूत्र लेकर वे राजा बलि के पास अपरिचित रूप में दीन-हीन दुखियारी बनकर जाएं और राजा बलि को भाई बनाकर दान में प्रभु को मांग लाएं।

लक्ष्मीजी राजा बलि के दरबार में उपस्थित हुईं और उन्होंने उनसे आग्रह किया कि वे उन्हें भाई बनाना चाहती हैं। राजन ने उनका प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लिया और उनसे रक्षासूत्र बंधवा लिया और कहा? कि अपनी इच्छा के अनुरूप कुछ भी उनसे मांग लें। लक्ष्मीजी इसी हेतु तो वहां आई थीं।

उन्होंने राजा से कहा कि आप मुझे अपनी सबसे प्रिय वस्तु दे दें। राजन घबरा गए। उन्होंने कहा मेरा सर्वाधिक प्रिय तो मेरा यह प्रहरी है, परंतु इसे देने से पूर्व तो मैं प्राण त्यागना अधिक पसंद करूंगा।

तब लक्ष्मीजी ने अपना परिचय उन्हें दिया और बताया कि मैं आपके उसी प्रहरी की पत्नी हूं जिन्हें उन्होंने बहन माना था। उसके सुख-सौभाग्य और गृहस्थी की रक्षा करना भी उन्हीं का दायित्व था और यदि बहन की ओर देखते तो उन्हें अपने प्राणों से भी प्रिय अपने इष्ट का साथ छोड़ना पड़ता, पर राजन भक्त, संत और दानवीर यूं ही तो न थे।

उन्होंने अपने स्वार्थ से बहुत ऊपर बहन के सुख को माना और प्रभु को मुक्त कर उनके साथ वैकुण्ठ वास की सहमति दे दी, परंतु इसके साथ ही उन्होंने लक्ष्मीजी से आग्रह किया कि जब बहन-बहनोई उनके घर आ ही गए हैं तो कुछ मास और वहीं ठहर जाएं और उन्हें आतिथ्य का सुअवसर दें।

लक्ष्मीजी ने उनका आग्रह मान लिया और श्रावण पूर्णिमा (रक्षाबंधन) से कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि (धनतेरस) तक विष्णु और लक्ष्मीजी वहीं पाताल लोक में राजा बलि के यहां रहे। धनतेरस के बाद प्रभु जब लौटकर वैकुण्ठ को गए तो अगले दिन पूरे लोक में दीप-पर्व मनाया गया।

माना जाता है कि प्रत्येक वर्ष रक्षाबंधन से धनतेरस तक विष्णु लक्ष्मी संग राजा बलि के यहां रहते हैं और दीपोत्सव के अन्य कई कारणों संग एक कारण यह भी है।

मान्यता है कि प्राचीन काल में जब धरती का अधिकतर हिस्सा बर्फ से ढंका था तब आज के मिश्र, साऊदी अरब, सीरिया, इराक, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, इसराइल आदि को पातालपुरी कहा जाता था। यहीं कहीं रसातल भी होता था। दलजा, फरात और नील नदियों के आसपास ही सभ्यताएं बसती थी।

इसी पातालपुरी में राम के काल में अहिरावण का राज था। राम से पूर्व रसातल का क्षेत्र राजा बलि को सौंप दिया गया था। 4000 साल पुराने यहूदी धर्म का आधिपत्य मिस्र, इराक, इजराइल सहित अरब के अधिकांश हिस्सों पर राज था। उससे भी पूर्व यहां पर हिन्दुओं की कई जातियां निवास करती थी जिनका प्रमुख तीर्थ मक्का होता था। मान्यता अनुसार उस दौर में मक्का में एक ज्योतिर्लिंग था जिसे राजा बलि और शुक्राचार्य ने स्थापित किया था। यहीं पर राजा बलि की एक प्राचीन मूर्ति रखी थी और साथ ही कई देवी-देवताओं की मूर्तियां भी शिवलिंग के साथ स्थापित किएद्य राजपुरा धाम में हो रही श्री भागवत कथा में महिलाएं पुरुषों का बढ़ रहा है हजारोंकी संख्या में जनसैलाब श्री श्री 1008 केशवानंद महाराज के सानिध्य में चल रही श्रीमद्भागवत कथा को सुनने के लिए हजारों की संख्या में मातृशक्ति एवं पुरुष एवं श्रीमद् भागवत कथा प्रेमी भारी संख्या में रजवाड़ा धाम में पहुंच रहे हैं और पूरा पंडाल इस भागवत कथा को सुनने के लिए आतुर हैं और यह श्री वृंदावन धाम में तब्दील हो गया है द्य परीक्षा मध्य प्रदेश खनिज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष दर्जा कैबिनेट मंत्री प्राप्त कोक सिंह नरवरिया, श्रीमती माया नरवरियाद्य और उनके पूरे परिवार तथा समाज के सैकड़ों व्यक्तियों एवं भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया, रामप्रकाश शर्मा सरपंच ब्रह्मदेव सिंह यादव, रामवीर सिंह यादव ने श्रीमद् भागवत कथा की आरती की और किशोरी जी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए कथा को सुना द्य श्रीमती सुशीला नरवरिया ,देवेंद्र सिंह नरवरिया, एडवोकेट नरोत्तम सिंह, एडवोकेट रविंद्र सिंह नरवरिया, मधुराज सिंह लोधी,महेश सिंह नरवरिया, सुघर सिंह नरवरिया ,लालजी सिंह नरवरिया, मेघ सिंह नरवरिया, रामधन सिंह नरवरिया, आदि लोग काफी संख्या में पहुंचकर श्रीमद् भागवत कथा को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं ।

श्रीमद् भागवत कथा में आज होगा चरस का जन्म और नंद उत्सव

ग्राम रजपुरा में श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस में चंद्रवंशी की कथा का बहुत ही सुंदर वर्णन देवी ममता किशोरी जी के साथ धान में किया जाएगा जिसमें कृष्ण जन्म और हिट नंद उत्सव की कथा का बहुत ही सुंदर व्यापक वर्णन होगा आयोजक समिति ने नंद उत्सव में महिला पुरुषों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कृष्ण जन्म उत्सव में भाग लें।

बेंगलूर एरपोर्ट पर श्रंदालुओं ने विश्वगुरू स्वामी महेश्वरानंद गुरूदेव के किये दर्शन

पुष्पाजंली टुडे/नारायणलाल सेंणचा

बेंगलूर–सोमवार बेंगलूर केंम्पेगवड़ा इन्टरनेशनल एरपोर्ट पर विश्वगुरू स्वामी महेश्वरानंद का आगमन पर बन्नूर गांव के महेन्द्रसिंह राजपुरोहित व राजेंशसिंह ,रेखा कवर कंगना कवर ने स्वामी महेश्वरानंद गुरूदेव के दर्शन का लाभ लिया ।इस अवसर पर स्वामी महेश्वरानंद के साथ महिला संत उमापुरी राजस्थान से मशहूर भजन गायक रमेश माली आदि उपस्थित थे। स्वामी महेश्वरानंद महाराज ने बताया की पाली के जाडन में विश्व का पहला मंदिर का निर्माण कर रहे है ।जो विश्व में आस्था का अलग परचम लहराएगा। ओम आश्रम आज विश्व में एक तीर्थ के रूप में मशहूर हो गया है ।जहां शिक्षा चिकित्सा जनसेवा के अलावा धर्म अध्यात्म और योग का जोरदार प्रसार किया जा रहा है

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

11430 पंच, 690 सरपंच, 220 जनपद सदस्य एवं 27 जिला पंचायत सदस्य

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में त्रि-स्तिरीय पंचायतों के चुनाव तीन चरणों में सम्पन्न कराये जायेंगें। जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच एवं पंच के निर्वाचन के लिए प्रथम चरण में 25 जून 2022 को विकासखंड बैहर, परसवाड़ा, वारासिवनी एवं खैरलांजी के ग्रामों में मतदान कराया जायेगा। इसी प्रकार द्वितीय चरण में 01 जुलाई 2022 को विकासखंड लांजी, किरनापुर एवं कटंगी के ग्रामों में तथा तृतीय चरण में 08 जुलाई 2022 को विकासखंड बालाघाट, लालबर्रा एवं बिरसा के ग्रामों में मतदान कराया

जायेगा। पंचायतों के निर्वाचन के लिये मतदान का समय सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। तीनों चरणों में 11 हजार 430 पंच, 690 सरपंच, 220 जनपद पंचायत सदस्य एवं 27 जिला पंचायत सदस्य के निर्वाचन के लिए संबंधित क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर द्वारा आज 30 मई 2022 को निर्वाचन की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके साथ ही स्थानों के आरक्षण एवं मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन भी कर दिया गया है। निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के साथ ही नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। आज 30 मई को प्रथम दिन जिला पंचायत सदस्य के लिए किसी भी प्रत्याशी द्वारा नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 6 जून 2022 तक प्रातः 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक रखी गई है।

प्रत्याशियों द्वारा जमा किये गये नाम निर्देशन पत्रों की जांच 7 जून 2022 को प्रातः 10.30 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक की जायेगी। अभ्यार्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 10 जून 2022 अपरान्ह 3 बजे तक है। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यार्थियो की सूची तैयार करने तथा निर्वाचन प्रतीको का आवंटन 10 जून 2022 को अभ्यार्थिता से नाम वापसी के ठीक बाद किया जाएगा। प्रत्याशियों को अपना नाम निर्देशन पत्र आफलाईन ही जमा करना होगा।

119 स्थानों पर जमा किये जायेंगें नाम निर्देशन पत्र

तीनों चरणों के पंचायत निर्वाचन के लिए नाम निर्देशन पत्र जमा करने जिले में कुल 119 केन्द्र बनाये गये है। जिला पंचायत के 27 सदस्यों के निर्वाचन के लिए नाम निर्देशन पत्र कलेक्ट्रेट कार्यालय के कक्ष क्रमांक-102 में जमा कराये जायेंगें। पंच, सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्यों के नाम निर्देशन पत्र भरने के लिए प्रत्येक विकासखंड में क्लस्टर बनाये गये है और उनमें सहायक रिटर्निंग आफिसर नियुक्त किये गये हैं। विकासखंड लालबर्रा में 14, किरनापुर में 15, परसवाड़ा में 11, कटंगी में 11, बिरसा में 11, बालाघाट में 15, लांजी में 12, खैरलांजी में 10, वारासिवनी में 10 एवं विकासखंड बैहर में 09 क्लस्टर बनाये गये है।

पत्रकारिता समाज को दिशा देने का काम करती है: देवेंद्र तोमर

कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन ने किया पत्रकार दिवस पर पत्रकारो का सम्मान

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-ग्वालियर की समाजसेवी संस्था कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन ने 29 मई 2022 को हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में शहर के होटल सुख सागर में पत्रकारो व समाजसेवियों को सम्मानित किया।इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र युवा नेता देवेंद्र प्रताप सिंह(रामू भैया)व मध्यप्रदेश बीज निगम के अध्यक्ष मुन्ना लाल गोयल मौजूद रहे।वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में एडिशनल एसपी एसपी राजेश दंडोतिया व अपर कलेक्टर इच्छित गड़पाले जी मौजूद रहे।वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता मप्र महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री खुशबू गुप्ता ने की।कार्यक्रम को शुभारंभ की ओर ले जाते हुए सर्वप्रथम भगवान गणेश जी की प्रतिमा पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई तदोपरांत छोटी छोटी बच्चियों के द्वारा अपनी अनोखी मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई।जिसे देख मंचासीन सभी का हृदय मग्नमुग्ध हो गया।उसके बाद शॉल,श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर कार्यक्रम में मौजूद पत्रकारो व समाजसेवियो का सम्मान किया गया।इस दौरान मुख्यातिथि देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता समाज को दिशा देने का काम करती है।इसके कारण इसकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।उन्होंने सक्रिय व सकारात्मक पत्रिकारिता पर बल दिया।उन्होंने कहा कि अपने विचारों पर अडिग रहते हुए निष्ठापूर्वक पत्रकारिता करने वालों की वजह से ही लोकतंत्र का चौथा स्तंभ आज मजबूती से खड़ा है।यह स्वस्थ पत्रकारिता का ही परिणाम है कि आज उन्हें हिंदी पत्रकारिता दिवस पर संस्था द्वारा पुरस्कृत किया जा रहा है। जब पत्रकार किसी राजनेता के बारे में अच्छा लिखता है तो उसे खुशी होती है लेकिन जब नकारात्मक लिखा होता है तो नाराजगी होती है।पत्रकारों को नेताओं की भूल की तरफ लेखनी से दर्पण दिखाने का अधिकार है।गलती पर कान खींचना भी उनके अधिकार क्षेत्र में आता है।मुन्ना लाल गोयल ने कहा कि समाज में पत्रकारों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।लोकतंत्र में तीनों स्तंभों को आइना दिखाने का कार्य यह चौथा स्तंभ करता है।उन्होंने कहा कि तपती धूप हो या बरसात का मौसम रूह कांपती ठंड के बीच पत्रकार सरकार प्रशासन और समाज को सच दिखाने की जद्दोजहद में भूखा प्यासा लगा रहता है।उन्होंने कहा कि कभी कभी तो ऐसा भी होता है कि बरसात में कपड़े भीगने पर बदन पर ही कपड़े सूख जाते हैं।क्योंकि चौथे स्तम्भ के नाते समाज के प्रति उनकी ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है।इसी क्रम में एडिशनल एसपी राजेश दंडोतिया ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण और सही दिशा देने में पत्रकारों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

भारत एक शक्तिशाली स्वालंबी राष्ट्र के रूप में विकसित हो रहा है,ऐसा आत्मनिर्भर भारत बनाने में पत्रकार अहम हैं।उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी इतने सालो की नौकरी में सकारात्मक पत्रकारिता देखने को मिली।वह जहां भी पदस्थ रहे वहां के पत्रकारों का भी भरपूर सहयोग मिला है।उन्होंने कहा कि पुलिस व पत्रकारों की कार्यशैली में काफी कुछ समानता भी है।पुलिस पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी है तथा पत्रकारों पर लोगों तक हकीकत पहुंचाने की।उन्होंने कहा कि पुलिस महकमा हर समय पत्रकारों की सुरक्षा व समस्याओं के समाधान के लिए मौजूद है।इसी क्रम में खुशबू गुप्ता ने कहा कि वैसे तो हर संस्था किसी न किसी का आये दिन सम्मान करती है परंतु जो लोग उस संस्था के किसी अन्य व्यक्ति के कार्यक्रम को देश दुनिया तक पहुंचाने का कार्य करती है उनका सम्मान हर कोई भूल जाता है।उन्होंने कहा कि आज हिंदी पत्रकारिता दिवस पर ग्वालियर की सामाजिक संस्था कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन ने आज हिंदी पत्रकारिता दिवस पर इसकी शुरुआत की और पत्रकारो का सम्मान करने का सोचा यह बड़ी ही खुशी का विषय है।इसलिए मै संस्था व पत्रकारो को बधाई देती हूं।इस दौरान संस्था अध्यक्ष हेमलता राव व सचिव पूर्णिमा अग्रवाल ने भी पत्रकारों व समाजसेवियों को लेकर अपने विचार रखे।अंत के कार्यक्रम में मौजूद मंचासीन सभी अतिथियों का संस्था द्वारा सम्मान किया गया।वहीं कार्यक्रम का सफल संचालन संस्था सचिव पूर्णिमा अग्रवाल ने किया।कार्यक्रम में संयोजक की भूमिका कोषाध्यक्ष सुश्री कंचन राव,ऋषि जैन,श्रीमति प्रिया,रीता गर्ग,प्रतिभा,लोकेश गुप्ता ने निभाई।

दो युवाओं ने यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर किया जिले का नाम रोशन

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

बालाघाट जिले के दो युवाओं ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2021 में सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। वारासिवनी तहसील के ग्राम झालीवाड़ा के मूल निवासी एवं सहायक संचालक उद्यान बालाघाट श्री सी बी देशमुख के सुपुत्र श्री राहुल देशमुख ने इस परीक्षा में 349 रैंक हासिल की है। इसी प्रकार खैरलांजी तहसील के ग्राम गजपुर के मूल निवासी (वर्तमान में वारासिवनी निवासी) एवं बैतूल जिले से सेवानिवृत्त संयुक्त कलेक्टर श्री ज्ञानीराम पटले के सुपुत्र श्री आदित्य पटले ने इस परीक्षा में 375 रैंक हासिल की है। बालाघाट जिले के इन युवाओं ने इस महत्वपूर्ण परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। यह दोनों युवा इस सफलता के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत व आदर्श बन गये है। उद्यान विभाग के समस्त स्टाफ एवं कलेक्ट्रेट के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इन युवाओं की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी है।

अब कोरोना की तर्ज पर होगा सोयाबीन फसल में रोगों का इलाज

इंदौर। सोयाबीन की फसल में होने वाले रोग का उपचार अब सोयाबीन के पौधे की मदद से ही हो सकेगा। जिस तरह कोरोना के कीटाणुओं को लेकर संक्रमण का टीका तैयार किया गया है, उसी तरह सोयाबीन की फंगस और जीवाणुओं को लेकर उसके रोग को दूर करने की भी दवा इंदौर के विज्ञानियों ने तैयार की है। इसके उपयोग से सोयाबीन की फसल को रोगों से काफी हद तक बचाया जा सकेगा, नकारात्मक प्रभाव भी नहीं पड़ेगा। सोयाबीन की फसल को रोगों से बचाने और हानिकारक कीटनाशकों के उपयोग से फसल पर पडने् वाले दुष्प्रभाव को रोकने के लिए इंदौर के आठ विज्ञानियों ने यह सफल शोध किया है।

अंबाह स्वास्थ विभाग मोन, सैंपल के लिए- अवैध पैथलोजी लेब लेते है शासकीय डॉक्टर का नाम, क्या स्वास्थ विभाग से उपर हो चुके है ये अवैध पैथलोजी लेब,क्यों नही हो रही कार्यवाही कब तक स्वास्थ विभाग इनकी मनमानी सहेगा।

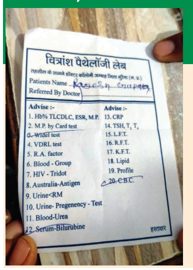

गणेश शंकर राजोरिया पुष्पांजलीं टुडे

अंबाह। अंबाह नगर मैं अवैध पैथलोजी लेब संचालक मनमानी कर रहे है एवं अंबाह स्वास्थ विभाग मोन होकर सुस्त अवस्था मैं है जब लेब वालो से पूंछा जाता है कि सैंपल कहां से आते है तो लेब द्वारा बताया जाता है कि हमे अंबाह सिविल हॉस्पिटल के शासकीय डॉक्टर सैंपल के लिए कहते है इससे यह स्थिति स्पष्ट होती है कि डॉक्टर ही लेब वालों पर कार्यवाही ही नहीं करना चाहते है अवैध लेब वालों की इतनी दबंगई है की जब अंबाह स्वास्थ विभाग की ओर से नोटिस दिए गए तो उन्होंने नोटिस आनाकानी की और ज्ञात सूत्रों से बताया गया की एक लेब ने नोटिस वापस कर दिया

आम जनता के जीवन के साथ इस प्रकार के खिलवाड़ को क्या कहेंगे लापरवाही या अपराध: आगे जानकारी यह है कि अंबाह स्वास्थ विभाग के द्वारा लेब संचालकों को नोटिस जारी किया गया जिसमें नोटिस देने के तीन दिन के अंदर पैथोलॉजी लैब वालों को जवाब देना था लेकिन कुछ एक लेब ने नोटिस लेने से मना कर दिया क्या अंबाह स्वास्थ विभाग इन पैथलोजी लेब पर कार्यवाही कर पाएगा कुछ पता नहीं क्या नोटिस की कार्यवाही नोटिस तक रह जायेगी क्या स्वास्थ विभाग से उपर हो चुके है ये अवैध पैथलोजी लेब।

भाजपा के नेताओं दे दिया सरकार के खिलाफ ज्ञापन ओबीसी के लिए मांगा 27% आरक्षण

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - नगर पालिका में पिछड़े वर्ग को कम आरक्षण देने पर भारतीय जनता पार्टी के पिछड़े वर्ग के नेताओं द्वारा आज जिलाधीश महोदय को ज्ञापन सौंपा और मांग की कि पिछले नगर पालिका चुनाव में पिछड़े वर्ग की 10 सीट आरक्षित की गई थी इस बार मात्र 4 सीट आरक्षित की गई है यह पिछड़े वर्ग के साथ घोर अन्याय है मुख्यमंत्री जी महोदय के नाम दिए ज्ञापन में मांग की गई इतने बड़े समाज के साथ इतना बड़ा धोखा अन्याय सरकार द्वारा किया गया है इसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा सरकार से मांग करते हैं ओबीसी को 27त्र आरक्षण दे उसके बाद चुनाव कराएं अन्यथा ओबीसी वर्ग मैं सरकार के खिलाफ रोष व्याप्त है किये गये आरक्षण में कानून के किसी भी माप का पालन नहीं किया गया है। पिछले नगरपालिका में हुये 2009-2010 चुनावों में एवं 2014-2015 में पिछड़े वर्ग की 10-10 सीटे आरक्षित भी अब ऐसा कौन सा कारण बना कि पिछड़े वर्ग की जनसंख्या/मतदाता कम हो गये इसका नई आधार न होते हुऐ मात्र 04 सीटें आरक्षित नार पिछड़े वर्ग के संवैधानिक अधिकार का हनन हुआ है आवेदन देते समय हरिओम राठौर , अबदेश शिवहरे,सुरेंद्र रजक , वीरेंद्र शिवहरे,मौजूद रहे इन्होंने सरकार से निवेदन किया कि किये गये आरक्षण को निरस्त कर ओबीसी को 27त्र प्रतिशत आरक्षण देकर चुनाव कराए जाएं।

छात्र हित में रजिस्ट्रेशन की लेट फीस कम करे सरकार: कु. शिवानी राठौर

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-कु. शिवानी राठौर जिलाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग महिला कांग्रेस शिवपुरी ने उच्च शिक्षा मंत्री के नाम जिलाधीश महोदय को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के बारे में जानकारी देते हुए कु. शिवानी राठौर ने बताया की मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन का कार्य चल रहा है। रजिस्ट्रेशन के प्रथम चरण में विद्यार्थियों से ?100 प्रति छात्र तथा छात्राओं को निशुल्क रजिस्ट्रेशन की सुविधा प्रदान की गई है। सीएलसी प्रथम चरण के प्रारंभ होने के साथ ही यह फीस ?500 प्रति विद्यार्थी की गई है, जो कि अनुचित है। कु. शिवानी राठौर ने ज्ञापन के माध्यम से उच्च शिक्षा मंत्री से मांग की है कि छात्र हित को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की फीस सीएलसी प्रथम चरण में छात्र ?200 छात्रा ?100 सीएलसी द्वितीय चरण में छात्र ?300 छात्रा ?200 तथा सीएलसी तृतीय चरण में छात्र ?400 तथा छात्रा ?300 होना चाहिए, जिससे कि सभी छात्रों पर अनुचित रूप से लेट फीस का भार ना पड़े। उच्च शिक्षा मंत्री महोदय द्वारा इस संबंध में तत्काल निर्णय लिया जाना आवश्यक है जिससे कि सभी विद्यार्थियों को इसका लाभ प्राप्त हो सके। इस अवसर पर शिवानी राठौर के साथ कार्यकारी महिला पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्योति धाकड़, अनम राठौर, भोलू धाकड़, महिला अध्यक्ष इंदु जैन अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

अंबाह के मयूर भोजनालय मैं पेट के लिए बाल श्रम की चक्की में पिसता बचपन प्रशासन संज्ञान ले।

गणेश शंकर राजोरिया पुष्पांजलि टुडे

अंबाह। अंबाह नगर के बीचों बीच और नगर पालिका के बगल से मयूर भोजनालय मैं बाल श्रम कार्य कराया जा रहा है होटलों में काम करते नन्हें हाथ, रेस्टोरेंट में टेबल साफ कर ऑर्डर लेते मजबूर चेहरे, श्रम की भट्टी में झोंके जा रहे है। हर किसी को हर शहर में देखने को मिलता है, लेकिन स्थानीय प्रशासन और सरकार को यह सब नजर नहीं आता है। यहीं कारण है कि देश में बालश्रम बढ़ता ही जा रहा है। क्या स्थानीय प्रशासन मोन रहेगा बाल श्रम से मुक्ति के लिए और इसके अलावा न जाने कितने बाल श्रमिक अभी भी पेट के लिए मजदूरी करते हुए देखे गए है वर्ष 2016 में बाल एंव कुमार श्रम प्रतिषेध अधिनियम में संशोधन के बाद उन्हें और कठोर बना दिया गया है।

जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा किया गया पत्रकार सम्मान समारोह

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन जेसी प्रियंका शिवहरे जोन डायरेक्टर एस एम ए के निज निवास पर किया गया जिसमे पत्रकारों को फूल माला एवं स्मृति चिन्ह भेट कर नागरिकों की भलाई के लिए सम्मानित किया गया जिसमे अध्यक्ष आशु अग्रवाल द्वारा कहा गया की पीड़ित , शोषित व असहाय व्यक्तियों की आवाज बुलंद करने वाले सभी पत्रकार बंधुओ का हम आभार व्यक्त करते है । एवं जेसी प्रियंका शिवहरे द्वारा कहा गया की लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ को सशक्त करते हुए , देश के विकास में अपनी भूमिका का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रहे में उन सभी पत्रकार बंधुओ को धन्यवाद देना चाहूंगी जो निरंतर अपनी पत्रकारिता से देश और सरकार को जागरूक करते है एवं सभी पत्रकार बंधुओ ने अपने विचार व्यक्त किए एवं जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा की सराहना की। की वह आगे भी इसी तरह निरंतर काम करते रहे हम आपका सहयोग करते रहेंगे जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा द्वारा सैमुअल दास पत्रिका ब्यूरो चीफ , श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष राजू यादव , फास्ट समाचार से अजय राज सक्सेना , दैनिक जागरण से नेपाल सिंह बघेल , पुष्पांजलि टुडे ब्यूरो चीफ अनिल कुशवाह एवं जनक सिंह रावत , सुदर्शन टुडे से रानू लोधी , एवं राजधानी तक से आरती जैन जी को सम्मानित किया गया जिसमे जोन डायरेक्टर एस एम ए जेसी प्रियंका शिवहरे , अध्यक्ष जेसी आशु अग्रवाल , सचिव जेसी रश्मि गोयल , जेसी रिजवाना खान , जेसी तनुजा गर्ग , जेसी अंजना अग्रवाल , जेसी रुचि मंगल , जेसी संध्या अग्रवाल, जेसी नीतू जैन एवं समस्त जेसीआई शिवपुरी स्वर्णा के सदस्य उपस्थित रहे । अंत में जेसी रश्मी गोयल द्वारा सभी पत्रकार बंधुओ का आभार व्यक्त किया । जिसमे जेसी प्रियंका शिवहरे एवं जेसी नीतू जैन का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

पुलिस ने यातायात दिवस के अवसर पर वाहन चालकों को दी समझाइश

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद -पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपुसे के निर्देशन में एवं प्रभारी एसडीओपी आरकेएस राठौर के मार्गदर्शन में सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है किस क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु सघन निरीक्षण करने एवं पुराने अपराधियों पर धरपकड़ अभियान चलाकर गिरफ्तार करते हुए जेल भेजें जिसके तहत सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में वारंट तामील कराते हुए धरपकड़ अभियान चला रहे हैं वही आज यातायात दिवस होने के अवसर पर पुलिस ने जगह जगह पॉइंट लगाकर सभी दो पहिया वाहन चालकों को रोका एवं उनको समझाइश देते हुए बताया कि कभी भी दो पहिया वाहन बिना हेलमेट लगाए ना चलाएं दो पहिया वाहन पर 3 सवारियां ना बिठाले गाड़ी पर नंबर प्लेट पर नंबर अंकित होना चाहिए साथ ही सभी जरूरी दस्तावेज की प्रति साथ रखकर वाहन चलाएं एवं यातायात के सभी नियमों का पालन करें वही स्कूलों एवं कोचिंग में भी जाकर पुलिस ने यातायात संबंधी जानकारियां छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराई इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर व्ही,के, गुप्ता सहायक उपनिरीक्षक एम एल डोंगर आरक्षक सुनील शर्मा एवं मनोज शर्मा ने वाहन चालकों को जागरूक किया

पीएम मोदी ने किया 'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना' से लाभान्वित बच्चों को वर्चुअल संबोधित

सुविधाएं भी जारी कीं

भयावह कोरोना काल में प्रधानमंत्री ने देश को सही रास्ता दिखायाः श्री सिंधिया

ग्वालियर में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

ग्वालियर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक महामारी कोरोना से अपने माता-पिता व अभिभावकों को असमय खो चुके देश भर के बच्चों को सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ÷पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना÷ के तहत विभिन्न प्रकार की सुविधायें जारी कीं। साथ ही अपने संबोधन के जरिए ऐसे सभी बच्चों को भरोसा दिलाया कि सरकार और हर देशवासी पूरी संवेदनशीलता के साथ आप सबके साथ है। यहाँ ग्वालियर कलेक्ट्रेट में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोरोना के भयावह काल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को इस संकट से उबरने के लिये सही रास्ता दिखाया। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कोरोना से अपने माता-पिता व अभिभावकों को खो चुके जिले के 10 बच्चों को ÷पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना÷ के तहत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से युक्त किट व पंजीयन पत्र सौंपे। श्री सिंधिया ने पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना से लाभान्वित सभी बच्चों एवं उनके अभिभावकों से आत्मीयता के साथ भेंट की। साथ ही स्नेहपूर्वक सभी बच्चों को भरोसा दिलाया कि आप सब चिंता न करें केन्द्र व राज्य सरकार तथा सम्पूर्ण भारतवासी आपके साथ हैं।

साथ ही पीएम केयर फंड की स्थापना की। यह दुनिया का ऐसा पहला फंड था जिसने कोरोना संकट के समय लोगों का जीवन बचाने में अहम योगदान दिया है। साथ ही ÷पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना÷ के तहत ऐसे सभी बच्चों के सुरक्षित वर्तमान व भविष्य की जिम्मेदारी ली, जिनके माता-पिता व अभिभावक कोरोना की वजह से सदा के लिए दुनिया छोड़कर चले गए। बच्चों एवं उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ÷पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना÷ के तहत बच्चों के रहने, खाने व पड़ाई की व्यवस्था सरकार ने की है। साथ ही जब बच्चे की आयु 23 वर्ष की होगी तब उसे एक मुश्त 10 लाख रूपए मिलेंगे। आयुष्मान स्वास्थ्य योजना के माध्यम से बच्चों के इलाज की व्यवस्था भी केन्द्र सरकार ने की है। रोजमर्रा की दूसरी जरूरतों के लिए 4 हजार रूपए हर महीने की व्यवस्था भी की गई है। सरकार ने एक ऐसा डैशबोर्ड तैयार किया है, जिसके माध्यम से हर बच्चे की मॉनीटरिंग हो रही है। सरकार ऐसे सभी बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिये दृढ़ संकल्पित है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में जानकारी दी कि कोरोना से जिले के जिन बच्चों के माता-पिता दोनों या इनमें से किसी एक की मृत्यु हुई है। ऐसे सभी बच्चों को तीन प्रकार की योजनाओं से लाभान्वित कराया जा रहा है। ÷पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना÷ के तहत 10 बच्चों एवं मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के तहत 44 बच्चों के लालन-पालन व सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी केन्द्र व राज्य सरकार ने अपने ऊपर ली है। जिला स्तर पर जन सहयोग से शुरू हुई योजना के तहत 121 बच्चों को आर्थिक मदद दी जा रही है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने ÷पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना÷ के तहत बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। आरंभ में दीप प्रज्ज्वलित कर केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया सहित अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष एवं कलेक्ट्रेट के सभागार में बैठकर सभी जनप्रतिनिधियों और ÷पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना÷ से लाभान्वित बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वर्चुअल रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उदबोधन सुना।

संक्षिप्त समाचार

सिद्धहस्थ शिल्पियों से वित्तीय सहायता हेतु आवेदन आमंत्रित

ग्वालियर। सिद्धहस्थ शिल्पियों से वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। 31 मार्च 2022 को या उससे पहले 60 वर्ष पूर्ण कर चुके ऐसे हस्थशिल्पी जिन्हें शिल्प गुरू पुरस्कार, राष्ट्रीय पुरस्कार, श्रेष्ठता प्रमाण-पत्र तथा राज्य पुरस्कार प्रदान किया हो, शिल्पी की वार्षिक आय एक लाख रूपए से अधिक न हो, आय प्रमाण-पत्र सहित इच्छुक हस्तशिल्पी विकास आयुक्त हस्तशिल्प की वेबसाइट http://handicrafts.nic.in पर उपलब्ध निर्धारित फोरमेट में आवेदन हस्तशिल्प केन्द्र, कला शिल्प एवं डिजायनिंग केन्द्र, बैजाताल मोतीमहल ग्वालियर में जमा कर सकते हैं।

पंचायत निर्वाचन-2022 : बिजली बिल बकाया नहीं होने का देना होगा अदेय प्रमाण-पत्र

ग्वालियर। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि राज्य स्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और पंच पद के अभ्यर्थियों को नाम निर्देशन-पत्र के साथ, बिजली बिल बकाया नहीं होने और जिला तथा जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत में बकाया नहीं होने के संबंध में अदेय प्रमाण-पत्र देना होगा। आरक्षित वर्ग का सदस्य होने की दशा में मध्यप्रदेश शासन के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण-पत्र भी देना होगा। यह जानकारी संवीक्षा की नियत तारीख एवं समय के पहले देना जरूरी है। अभ्यर्थियों को आपराधिक रिकार्ड, दायित्वों और शैक्षणिक योग्यता के संबंध में भी शपथ-पत्र/घोषणा-पत्र देना होगा। जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य और सरपंच पद के अभ्यर्थियों को शपथ-पत्र में स्वयं, पति/पत्नी और आश्रितों की आयकर विवरणी में दर्शित कुल आय, चल-अचल संपत्ति का विवरण, सार्वजनिक एवं वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति देनदारियों का ब्यौरा देना होगा। अभ्यर्थी को पंचायत तथा किसी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण और शौचालय के संबंध में भी शपथ-पत्र देना होगा।

वोटर स्लिप जिला निर्वाचन कार्यालयों को उपलब्ध कराने के निर्देश

ग्वालियर। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम को निर्देशित किया है कि वोटर स्लिप का एक सेट शीघ्र ही जिला निर्वाचन कार्यालयों को उपलब्ध करवायें। वोटर स्लिप का वितरण मतदाताओं को किया जायेगा, इससे उनको मतदान में सुविधा होगी।

विधाराक डॉ.सिकरवार ने किया डब्लूवीएम रोड के लिरो भूमि पूजन

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने आज दिनांक 30.05.2022 को वार्ड 18 आदित्यपुरम ग्रीन वुड स्कुल के पास विभिन्न गल्यिों में डब्लूवीएम रोड का भूमि पूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर विधायक डॉ सतीश सिकरवार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि क्षेत्र का विकास, प्रगति एवं उन्नति के लिये हमेशा काम करता हुं और करता रहुँगा क्षेत्र का विकास ही मेरी प्राथमिकता है। उन्होने कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप विकास कार्य होंगे। जनता की मांग पर ही सड़को का निर्माण कराया जा रहा है। और आगे भी कराया जाता रहेगा। वार्ड 18 के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से सर्वश्री रामबाबू श्रीवास, सागर नाती, नरेंद्र सिंह राजावत गुड्डू, राजा भदौरिया, विश्वनाथ राजावत, गौरव तिवारी, एडवोकेट शिवेन्द्र सिंह राजावत, चन्द्रकांत तोमर, श्रवण राठौड़, बीनू तोमर, रवि राजावत, दीपू राजावत, महेश गुर्जर, गगन शर्मा, एडवोकेट संतोष तोमर, राजकुमार सिंह भदोरिया पत्रकार, उपदेश भदौरिया, सुशील तोमर, गोलू भदौरिया आदि कार्यकर्तागण एवं क्षेत्रीय निवासीगण मौजूद रहे।

भाजपा महिला मोर्चा के मंडल प्रभारी एवं सहप्रभारी घोषित

ग्वालियर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा के निर्देशानुसार, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया एवं ग्वालियर महानगर के जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी के मार्गदर्शन में एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती नीलिमा शिंदे ने मंडल प्रभारी एवं सह प्रभारी की घोषणा की है जो इस प्रकार है- कोटेश्वर मंडल में प्रभारी श्रीमती कृष्णा महोबिया तथा सहप्रभारी श्रीमती आरती तोमर, रानी लक्ष्मीबाई मंडल में प्रभारी श्रीमती गीता सिकरवार तथा सहप्रभारी श्रीमती मीना चैहान, वीर दुर्गादास मंडल में प्रभारी श्रीमती माया वर्मा तथा सहप्रभारी श्रीमती ममता चैहान, शहीद भगत सिंह मंडल में प्रभारी श्रीमती किरण भदौरिया तथा सहप्रभारी श्रीमती गिरजा गर्ग, स्वामी रामकृष्ण मंडल के प्रभारी श्रीमती रेखा त्रिपाठी तथा सहप्रभारी श्रीमती विद्यादेवी कौरव, वीर सावरकर मंडल श्रीमती प्रीती थोराट तथा सहप्रभारी श्रीमती सुमन चैरसिया, स्वामी विवेकानंद मंडल में प्रभारी श्रीमती स्वाति अग्रवाल तथा सहप्रभारी श्रीमती शिल्पा खत्री, हेमूकलानी मंडल में प्रभारी श्रीमती ज्योति तोमर तथा सहप्रभारी श्रीमती पदमा शर्मा तथा पं. दीनदयाल मंडल में प्रभारी श्रीमती रेशू राजावत तथा सहप्रभारी श्रीमती अनुराधा शर्मा शामिल है।

ग्वालियर शहर के नए वार्डों के सुनियोजित विकास के लिए सरकार कटिबद्ध : श्री भारत सिंह कुशवाह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने वार्ड 64 व 65 में विकास कार्यों की आधारशिला रखी

ग्वालियर। शहर से जुड़े नए वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। मूलभूत सुविधाओं के लिए धन की कमी नहीं आने दी जायेगी। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कही। श्री कुशवाह ग्वालियर नगर निगम के वार्ड 64 व 65 में विकास कार्यों की आधारशिला रख रहे थे।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने सोमवार को शहर के वार्ड 64 के अंतर्गत बड़ोरी स्कूल से दशरथ के मकान तक 20 लाख रूपए की लागत से नाली सहित बनने जा रही सीसी रोड़ व डाम्बरीकरण कार्य की आधारशिला रखी। इसी कड़ी में उन्होंने वार्ड 65 के अंतर्गत कुशवाह ड़ाबा से चॉकलेट फैक्ट्री तक 70 लाख रूपए लागत की डाम्बरीकृत सड़क और इसी वार्ड में वार्ड ऑफिस वाया श्मशान घाट होते हुए चाँदमारी पहाड़ी सामुदायिक भवन तक लगभग 27 लाख रूपए की लागत से बनने वाली बीटी रोड़ निर्माण का भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन कार्यक्रम में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि ग्वालियर शहर से जुड़े सभी 6 नए वार्डों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का जो सिलसिला शुरू हुआ है उसे और तेज किया जायेगा। सरकार द्वारा इन वार्डों में विकास कार्यों के लिये लगातार धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

मंगलवार को इन कार्यों का करेंगे भूमिपूजन

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह मंगलवार 31 मई को शहर के वार्ड 62 व 65 में लगभग एक करोड़ 97 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इन कार्यों में संभागीय कृषक प्रशिक्षण केन्द्र बेहटा, मोतीझील से हीरानगर तक पेयजल पाइपलाइन, पुरानी छावनी चौराहे से अम्बेडकर पार्क तक डाम्बरीकृत सड़क और पुरानी छावनी मुख्य मार्ग से हीरानगर होते हुए हीरामन बाबा तक सीसी रोड़ शामिल हैं।

सभी 846 मतदान केन्द्रों का जल्द से जल्द भौतिक सत्यापन करें

अंतरविभागीय समन्वय बैठक में दिए गए निर्देश

ग्वालियर। त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के लिए मतदान सामग्री वितरण एवं मतगणना स्थलों की सभी व्यवस्थाएँ जल्द से जल्द पूर्ण कर लें। साथ ही त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए बनाए गए सभी 846 मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन भी तत्परता से करें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई अंतरविभागीय समन्वय बैठक में जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-ऑफिस प्रणाली के तहत ऑनलाइन फाइलें कलेक्ट्रेट भेजी जाएँ।

सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में अनुविभागीय दण्डाधिकारियों से यह भी कहा गया कि मतदान केन्द्रों के रूट चार्ट में यदि संशोधन की जरूरत हो तो उसकी जानकारी तत्काल भेजी जाए। साथ ही कहा गया कि निर्वाचन कार्यालय से मत पेटी, निर्वाचन संबंधी थैलियाँ व अन्य सामग्री निर्धारित तिथि तक विधिवत रूप से प्राप्त कर लें।

बैठक में बताया गया कि त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए प्रथम व द्वितीय चरण का प्रशिक्षण 3 व 4 जून को दिया जाएगा। जिसमें पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्र.-1 को प्रशिक्षित किया जायेगा। इस प्रशिक्षण में लगभग 2800 अधिकारी-कर्मचारी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव कराने की बारीकियाँ सीखेंगे।

अंतरविभागीय समन्वय बैठक में शहरी क्षेत्र में चलाए जा रहे एंटी माफिया अभियान, सीएम हैल्पलाइन व शहरी क्षेत्र से संबंधित विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, अपर कलेक्टर श्री एच बी शर्मा, जिले के सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

ताई जल्दी आना, मैं अब नहीं आऊंगी...और ताई नहीं आई

राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व अभा सह कार्यवाहिका शैलजा काकिर्डे को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। मेरी मां उमा कौरव ने कहा कि ताई जल्दी आना तो शैलजा ताई ने भावुक होकर कहा कि मैं अब नहीं आऊंगी। ताई की यह बात सत्य साबित हुई। अब वह वाकई हम सभी के बीच कभी लौटकर नहीं आएंगी। जब यह बात कुमारी निधि ने रुंधे गले से कहा तो माहौल और गमगीन हो गया।

राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका एवं पीजीवी महाविद्यालय की पूर्व प्राध्यापिका शैलजा काकिर्डे की स्मृति में रविवार को राष्टेत्थान न्यास में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि शैलजा ताई का 22 मई को इंदौर में निधन हो गया था। ग्वालियर में शैलजा ताई के घर में किराए से रहने वाली निधि ने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि ताई ने मेरी मां से भावुक होकर कहा था काश आप मेरे घर पहले आ गईं होती तो मैं कभी इंदौर नहीं जाती। ताई की यादों में खोते हुए निधि ने कहा कि शैलजा ताई स्व.तराणेकर जी की प्रतिमूर्ति थीं। बस अंतर इतना था कि श्री तराणेकर जी वरिष्ठ प्रचारक थे और ताई जी गृहिणी।

ऐसी करनी कर चलो, हम हंसे जग रोये

अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीधर पराड?र जी ने श्रद्धेय ताई को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कबीर दास का दोहा कबीरा जब हम पैदा हुए, जग हंसे हम रोये, ऐसी करनी कर चलो, हम हंसे जग रोये ताई पर भी चरितार्थ होता है। ताई आज हम सभी के बीच नहीं हैं, लेकिन हम सब उन्हें हृदय से याद कर रहे हैं। ताई की सबसे बड़ी विशेषता थी कि वह व्यवस्थित ढंग से जीती थीं। वह एक अच्छी गृहिणी, अच्छी प्राध्यापिका और अच्छी समाजसेविका थीं।

3 म.प्र. गर्ल्स बटालियन के 240 NCC केडेट्स को दिया मच्छर जनित बीमारियों (डेंगू मलेरिया) की रोकथाम व बचाव का प्रशिक्षण

240 गर्ल्स केडेट्स ने लिया ग्वालियर को डेंगू मलेरिया मुक्त बनाने का संकल्प

NCC केडेट्स अपने अपने क्षेत्र में चलाएंगे डेंगू मलेरिया की रोकथाम व जागरूकता अभियान

ग्वालियर 30 मई 2022/ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मनीष शर्मा के निर्देशन व जिला मलेरिया अधिकारी डा. नीलम सक्सेना के मार्गदर्शन में जिले में मलेरिया ङ्क डेंगू नियंत्रण हेतु किये जा रहे प्रयासों के तहत आज 30 मई 2022 को एम्बेड टीम व मलेरिया विभाग के कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण व संकल्प कार्यक्रम 3 म.प्र. गर्ल्स बटालियन कम्पू में आयोजित किया गया। जिला समन्वयक फेमिली हेल्थ इंडिया एम्बेड परियोजना विजय मिश्रा ने बताया कि मलेरिया ङ्क डेंगू नियंत्रण में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किये जा रहे इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मच्छरों की पैदाइश को नियंत्रित करने तथा इनसे बचने के उपाय के विषय में विस्तार से जानकारी दी जा रही है ताकि लोग अपने घरों तथा घर के आसपास फालतू पानी जमा न होने दें, पानी को हमेशा ढँक कर रखें, बरसात से पूर्व घर से कबा? व गन्दगी सा? करे जिससे मच्छरों की पैदाइश को नियंत्रित कर शहर में डेंगू मलेरिया को नियंत्रित किया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान मलेरिया निरीक्षक नरेन्द्र बाथम व एस डब्ल्यू नरेन्द्र यादव द्वारा डेंगू -मलेरिया से बचाव सावधानियों व उपचार के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी जिसके साथ एम्बेड टीम के सुमित शर्मा, सुरेन्द्र व सुमित घंगोरिया द्वारा सभी को मच्छर का लार्वा दिखा कर उसे नष्ट करने के तरीके समझाए गए। कार्यक्रम में उपस्थित 3 म.प्र. गर्ल्स बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल जे.जे. अब्राहम ने उपस्थित सभी 240 अपने अपने घर तथा मोहल्ले में डेंगू से बचाव की जानकारी का प्रसार करने व लार्वा जाँच कर उसे विनिष्ठिकृत करने तथा कूलर , टंकी गमले का पानी हर चौथे दिन साफ करने व बदलने की अपील की ताकि मच्छरों का पानी से संपर्क रोक कर लार्वा बनने से रोका जा सके। इस दौरान सभी केडेट्स को अपने अपने क्षेत्र में उक्त कार्य करने की सलाह दी गयी और कार्य की रिपोर्ट बटालियन कार्यालय में प्रस्तुत करने पर केडेट्स को अच्छे कार्य का प्रमाण पत्र भी दिए जाने की बात कही कार्यक्रम के अंत में एम्बेड टीम द्वारा उपस्थित सभी 240 सहभागियों को निःशुल्क सेनेटाई?र वितरित कर डेंगू ङ्क मलेरिया मुक्त ग्वालियर बनाने की शपथ दिलाई गयी ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478